दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'समाज तब बदलता है जब सोच बदलती है, और सोच तब बदलती है जब हम सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जीना सीख लेते हैं। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-160 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 4 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'अहंकार की हवा और जीवन की ठोकरें '

जीवन के जटिल सत्य कई बार सरल उदाहरणों में छिपे होते हैं। एक साधारण फुटबॉल और बच्चों के खेल से जुड़ी यह छोटी-सी घटना हमें मनुष्य के स्वभाव और उसके संघर्षों का गहरा दर्शन कराती है। जब एक बालक ने संत से पूछा कि 'इस फुटबॉल ने ऐसा क्या कर्म किया है, जो इसे बार-बार लातें खानी पड़ती हैं? ', तो संत का उत्तर केवल उस बच्चे के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी था– 'यह इसके कर्म नहीं, बल्कि इसके भीतर भरी हवा है, जो इसे ठोकरें खाने पर मजबूर करती है।' यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

यह 'हवा' केवल फुटबॉल के भीतर की नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बसे उस अहंकार का प्रतीक है, जो उसे बार-बार जीवन में गिराता है। अहंकार वह अदृश्य तत्व है, जो व्यक्ति को स्वयं के भ्रम में इतना भर देता है कि वह न तो दूसरों को समझ पाता है और न ही स्वयं को सही दृष्टि से देख पाता है। आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में यह उदाहरण और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। आधुनिक जीवन में उपलब्धियों, पद, प्रतिष्ठा और ज्ञान के साथ-साथ अहंकार भी तेजी से बढ़ रहा है। व्यक्ति अपने 'मैं' में इतना उलझ जाता है कि वह संबंधों की गरिमा, संवाद की संवेदनशीलता और जीवन की सादगी को भूल जाता है। परिणामस्वरूप, वह बार-बार ठोकरें खाता है–कभी रिश्तों में, कभी समाज में और कभी अपने ही अंतर्मन में।

अहंकार का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह व्यक्ति से उसका लचीलापन छीन लेता है। जैसे हवा से भरी फुटबॉल कठोर होकर हर ठोकर को सहती है, वैसे ही अहंकारी व्यक्ति भी हर आलोचना, हर असहमति और हर विपरीत परिस्थिति को झटका मानता है। वह झुकना नहीं जानता, और जो झुकना नहीं जानता, वह टूटना जरूर सीखता है।

इसके विपरीत, विनम्रता व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है। यह उसे जीवन की चुनौतियों के प्रति सहनशील बनाती है। विनम्र व्यक्ति परिस्थितियों के साथ सामंजस्य बैठाना जानता है। वह हर अनुभव से सीखता है और हर आलोचना को आत्मविकास का अवसर मानता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में सदैव कहा गया– 'विद्या ददाति विनयं' अर्थात सच्चा ज्ञान वही है, जो मनुष्य में विनम्रता उत्पन्न करे, न कि अहंकार। आज जब हम शिक्षा और सफलता की बात करते हैं, तो अक्सर उसका मापदंड बाहरी उपलब्धियों से करते हैं। लेकिन वास्तविक शिक्षा वह है, जो व्यक्ति के भीतर नम्रता, सहिष्णुता और समझ विकसित करे। अगर शिक्षा केवल अहंकार को बढ़ा रही है, तो वह अधूरी है।

समाज में बढ़ती असहिष्णुता, रिश्तों में दूरियाँ और संवाद की कमी–इन सबकी जड़ में कहीं न कहीं अहंकार ही है। हर व्यक्ति खुद को सही मानने की होड़ में लगा है, और यही प्रतिस्पर्धा टकराव को जन्म देती है। अगर हम इस 'हवा' को थोड़ा कम कर दें, तो शायद जीवन के कई संघर्ष अपने आप समाप्त हो जाएं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि अहंकार केवल बड़े पद या बड़ी उपलब्धियों से ही नहीं आता, बल्कि छोटी-छोटी बातों में भी यह पनपता है–जैसे अपनी बात को ही अंतिम मानना, दूसरों की राय को नजरअंदाज करना, या अपनी गलतियों को स्वीकार न करना। यही छोटे-छोटे अहंकार मिलकर व्यक्ति के व्यक्तित्व को कठोर बना देते हैं।

फुटबॉल का उदाहरण हमें यह सिखाता है कि जितना अधिक हम अपने भीतर 'हवा' भरेंगे, उतना ही जीवन हमें ठोकरों के माध्यम से खाली करने की कोशिश करेगा। यह प्रकृति का संतुलन है–जो झुकता नहीं, उसे झुकाया जाता है। अंततः, यह हमारे हाथ में है कि हम अपने जीवन को फुटबॉल की तरह बनाना चाहते हैं या एक विनम्र और संतुलित व्यक्तित्व के रूप में ढालना चाहते हैं। अगर हम अपने भीतर से अहंकार को निकाल दें, तो जीवन की कठिनाइयाँ भी हमें उतना नहीं चोट पहुँचाएंगी।

क्योंकि सच यही है–ठोकरें हमें गिराने के लिए नहीं, बल्कि हमारे भीतर भरी अनावश्यक 'हवा' को निकालने के लिए आती हैं।

पपुरना में फर्जी पट्टों का बड़ा खेल उजागर: तीन पीढ़ियों से रह रहे परिवारों की जमीन पर कब्जे की साजिश!

सरपंच प्रशासक विमला देवी का बड़ा आरोप–ग्राम विकास अधिकारी व भूमाफिया की मिलीभगत, फर्जी हस्ताक्षर कर 35-40 पट्टों का किया गया पंजीयन

भीम प्रज्ञा न्यूज़. खेतड़ी।

खेतड़ी पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत पपुरना में फर्जी पट्टा प्रकरण ने अब यू-टर्न लेते हुए पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। तीन पीढ़ियों से निवास कर रहे परिवारों की जमीन को कथित रूप से हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कर अन्य लोगों के नाम पट्टे जारी करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस पूरे प्रकरण में सरपंच प्रशासक विमला देवी ने तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी सहित अन्य कार्मिकों और भूमाफिया गिरोह पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

फर्जी हस्ताक्षर और मोहर से तैयार किए गए पट्टे

सरपंच प्रशासक विमला देवी ने प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा करते हुए बताया कि तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी (23 सितंबर 2021 से 12 जून 2025 तक पदस्थापित) ने कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार कर फर्जी पट्टा बुक (बुक संख्या 17) के माध्यम से करीब 35 से 40 पट्टे जारी किए। इन पट्टों में सरपंच के फर्जी हस्ताक्षर और नकली मोहर का इस्तेमाल किया गया।इतना ही नहीं, बिना सरपंच के संज्ञान में लाए इन पट्टों का उप तहसील बबाई में पंजीयन भी करा लिया गया, जो पूरे मामले को और गंभीर बनाता है।

सरपंच ने खुद को बताया निर्दोष, रची गई साजिश का आरोप

विमला देवी ने स्पष्ट कहा कि इस पूरे फर्जीवाड़े में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्हें इस प्रकरण की जानकारी तब मिली जब एक ही व्यक्ति के नाम कई पट्टे जारी होने की सूचना सामने आई। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम विकास अधिकारी और अन्य कार्मिकों ने मिलीभगत कर सरपंच को बदनाम करने और पंचायत की कीमती भूमि हड़पने के उद्देश्य से यह कूट रचना की है।

पपुरना पंचायत के फर्जी पट्टा प्रकरण को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरपंच प्रशासक विमला देवी के साथ विरोध जताते ग्रामीण

ग्रामीणों में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

इस मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। समाजसेवी संजय देव गुर्जर, उपसरपंच अंजनी गुप्ता, इकबाल कुरैशी, जाकिब हुसैन, सराजुद्दीन, धर्मपाल, राजेंद्र सिंह निर्वाण, पुरुषोत्तम जांगिड़, दिलीप जांगिड़, बुलिया गुर्जर, राजकुमार, धर्मपाल पहलवान सहित कई ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कीमती आबादी भूमि और मंदिर क्षेत्र भी निशाने पर

बताया जा रहा है कि जिन जमीनों पर फर्जी पट्टे जारी किए गए हैं, वे ग्राम पंचायत की कीमती आबादी भूमि है, जहां पौराणिक मंदिर भी स्थित हैं। इस भूमि के आसपास कई परिवार वर्षों से मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन उनके मकानों के भी पट्टे दूसरों के नाम कर दिए गए। पपुरना का यह मामला ग्राम स्तर पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो इससे न केवल ग्रामीणों का भरोसा टूटेगा बल्कि पंचायत व्यवस्था की साख पर भी गंभीर सवाल खड़े होंगे।

एसीबी जांच की मांग, कई अधिकारियों को भेजे पत्र

सरपंच प्रशासक विमला देवी ने महानिदेशक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), जिला कलेक्टर झुंझुनूं, जिला पुलिस अधीक्षक तथा पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने उप पंजीयक कार्यालय बबाई से पट्टों की सत्य प्रतिलिपि भी प्राप्त कर ली है।

तीन पीढ़ियों से रह रहे परिवार हुए प्रभावित

रहमत बानो, उल्फत बानो, माफिया बानो और नजमा बानो सहित कई पीड़ित परिवारों ने बताया कि वे पिछले तीन पीढ़ियों से उक्त भूमि पर निवास कर रहे हैं। उनके पास बिजली, पानी, राशन कार्ड सहित सभी सरकारी दस्तावेज उसी पते पर हैं, फिर भी उनकी जमीन के पट्टे अन्य लोगों के नाम कर दिए गए।

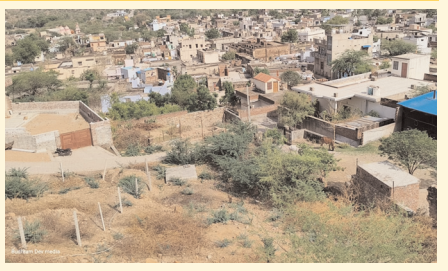

ग्राम पंचायत पपुरना का आबाद गांव

ग्राम पंचायत पपुरना का आईटी केंद्र

रिकॉर्ड में नहीं कोई उल्लेख, न ही ग्रामसभा की स्वीकृति

जांच में सामने आया कि इन पट्टों का कोई भी रिकॉर्ड ग्राम पंचायत के दस्तावेजों में दर्ज नहीं है। न तो ग्रामसभा में कोई प्रस्ताव पारित किया गया और न ही पंचायत बैठक में इसकी स्वीकृति ली गई। पट्टा जारी करने से पहले कोई सार्वजनिक सूचना (इश्तिहार) भी प्रकाशित नहीं की गई और न ही किसी प्रकार का शुल्क जमा कराया गया।

एक व्यक्ति के नाम कई पट्टे, बाहरी लोगों को भी फायदा

मामले में खुलासा हुआ कि शैलेन्द्र कुमार के नाम 6 पट्टे, अमित कुमार के नाम 5, वसीम कुरैशी के नाम 3 पट्टे जारी किए गए। इसके अलावा पंचायत क्षेत्र से बाहर के लोगों को भी पट्टे जारी किए गए, जिससे भूमाफिया की सक्रिय भूमिका की आशंका और गहरा गई है।

पुख्ता इंतजामों के बीच जिला महेंद्रगढ़ में नीट परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

हरियाणा सरकार के निर्देशों पर प्रशासन रहा मुस्तैद

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने खुद संभाली कमान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा सरकार के पारदर्शी एवं भयमुक्त परीक्षा संचालन के संकल्प को दोहराते हुए आज जिला महेंद्रगढ़ में नीट की परीक्षा पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। उपायुक्त अनुपमा अंजली सुबह से ही सक्रिय रही। उनके साथ पुलिस अधीक्षक दीपक भी मौजूद रहे।

लघु सचिवालय में बने कंट्रोल रूम से डीसी खुद पल-पल की रिपोर्ट लेती रहीं। गर्मी को देखते हुए सभी केंद्रों पर ठंडे पेयजल और छाया का विशेष प्रबंध किया गया था। विशेष आवश्यकता वाले (पीडब्ल्यूडी) परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए हर केंद्र पर व्हीलचेयर और सुगम रास्तों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए रोडवेज विभाग ने परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए कुछ रूटों पर अतिरिक्त बसें चलाई, ताकि दूर-दराज से आने वाले छात्रों को समय पर केंद्र पहुंचने और वापसी में कोई परेशानी न हो। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के आपसी समन्वय से परीक्षा को पारदर्शी और नकल रहित तरीके से पूरा करवाया गया है। इस कंट्रोल रूम में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया तथा डीआईओ प्रशांत कुमार सुबह से शाम तक मौजूद रहे।

मंडा मोड़ पर उपमुख्यमंत्री का शानदार स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

कस्बे के निकटवर्ती मंडा मोड के पास रविवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री दिया कुमारी का खाटूश्यामजी जाते समय विधानसभा क्षेत्र दांतारामगढ़ जनसेविका भाविका मील गिल के नेतृत्व में बैंड बाजे के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं एवं सैकड़ो महिलाओं के साथ मंडा मोड तोरण द्वार के आगे शानदार स्वागत किया गया। उपमुख्यमंत्री के स्वागत में तोरण गीत, स्वागत, एवं महिलाओं ने राजस्थानी लोक गीतों के मध्य राजस्थानी चुनरी ओढाकर राजस्थान की शान,आन और सम्मान का प्रतीक साफा , श्याम दुपट्टा व पुष्पहार पहनाकर गुलदस्ता एवं बाबा श्याम का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर भामाशाह गुलाबी गढ़वाल, सागरमल गीला, रामलाल बिजारणिया, बहादुर सिंह खर्रा,राजेंद्र प्रसाद भिंडा, राधाकृष्ण गोयल, जयराम चैचू ,दीपेंद्र चौधरी मुरलीधर जटराणा, संतोष देवी गीला, संतोष कंवर, मंजू देवी खर्रा, प्रभाती देवी खर्रा, विमला देवी गीला, अनीता देवी सुशीला देवी सजना देवी सुमन देवी कमला सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाजीसर में युवाओं की पहल: खेली की सफाई कर पशुओं के लिए स्वच्छ पानी की व्यवस्था

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा विधानसभा क्षेत्र के बाजीसर गांव के नगाणा मोहल्ले में आज युवाओं द्वारा सराहनीय सामाजिक पहल करते हुए खेली (पशुओं के पानी पीने का स्थान) की साफ-सफाई की गई, ताकि बेजुबान पशुओं को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सके। भीषण गर्मी के बीच इस तरह का कार्य पशु-पक्षियों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रहा है। इस दौरान समाजसेवी अमित मीणा के नेतृत्व में सौरभ निर्मल, राहुल निर्मल, रोहित नायक, विक्रम नायक, शक्ति नायक, अरुण नायक, करण नायक, अजय नायक सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने श्रमदान कर खेली की सफाई की और उसमें स्वच्छ पानी भरने की व्यवस्था की। समाजसेवी अमित मीणा ने बताया कि गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर परिंडे (पानी के बर्तन) और खेली की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि कोई भी जीव प्यासा न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि खेली और परिंडों की महीने में कम से कम दो बार साफ-सफाई होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे पानी स्वच्छ बना रहे और बीमारियों से बचाव हो सके। गांव के युवाओं की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। ग्रामीणों ने भी आगे आकर इस अभियान को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया। यह प्रयास न केवल पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है।

क्या करें जब आए नाक से खून

नाक से खून आने की समस्या गर्मियों में ज्यादा बढ़ जाती है। नाक के बीच की हड्डी के आगे के भाग में खून की कई नसें आपस में मिलकर एक जाल-सा बनाती हैं, जिसे लिटिल्स एरिया- कहते हैं। अधिकतर मरीजों में नाक से खून इसी जगह से ज्यादा आता है। सांस लेने में गर्म हवा जब इस भाग से टकराती है, तो वहां पर सूखापन आ जाता है और पपड़ी पडने लगती है। जैसे ही जब कोई व्यक्ति इस पपड़ी को नाक में उंगली डालने की आदत के कारण निकालता है, तब खून निकलने लगता है।

कुछ प्रमुख कारण

- बहुत गर्म वातावरण में रहना।
- हाई ब्लडप्रेशर में भी नाक से खून आता है।
- नाक में चोट लगना।
- नाक में कोई बाहरी चीज चली जाए।
- नाक में किसी तरह का संक्रमण होना,
- बैक्टीरिया या वाइरस का प्रकोप।

प्राथमिक उपचार

- मरीज को बैठाकर उसकी नाक के अगले हिस्से को कुछ मिनट के लिए दबाकर रखना चाहिए। दबाब पड़ने से खून रुक जाता है।

- नाक पर बर्फ रखें।
- जब खून निकल रहा हो, उस वक्त मरीज को लिटाना नहीं चाहिए। इससे खून गले से होकर पेट में जाने लगता है और मरीज को उल्टियां व पेट में दर्द हो सकता है। ज्यादातर मरीजों में प्राथमिक उपचार के बाद रक्त आना बंद हो जाता है। यदि खून आना बंद न हो या बार- बार आए, तो किसी नाक, कान व गला विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि खून आने की वजह का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा खून रोकने के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं।

ध्यान दें

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप से निकलकर सीधे एयर कंडीशन वाले कमरे में या फिर कूलर वाले कमरे में न जाएं। थोड़ी देर रुकने के बाद ही कमरे में प्रवेश करें।

ब्रेन ट्यूमर अब नहीं रहा लाइलाज

मस्तिष्क ट्यूमर (ब्रेन ट्यूमर) मस्तिष्क में या मस्तिष्क के किसी भाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि से संबंधित रोग है। ये असामान्य कोशिकाएं मस्तिष्क में एक गांठ के रूप में बन जाती हैं। ब्रेन ट्यूमर एक जानलेवा रोग है, लेकिन आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई प्रगति के कारण अब समय रहते इस रोग का इलाज संभव है.... ब्रेन ट्यूमर के कई प्रकार हैं। जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में ही उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। वहीं जो ट्यूमर शरीर के अन्य भागों से शुरू होकर मस्तिष्क तक भी फैल जाते हैं, उन्हें मेटास्टैटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, जिन्हें बिनाइन कहा जाता है और कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर ग्रस्त होते हैं, जिन्हें मैलिग्नेंट (घातक) कहा जाता है। अलग-अलग प्रकार के ब्रेन ट्यूमर की वृद्धि की रफ्तार अलग-अलग होती है। प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर अनेक तरह के होते हैं। जैसे...

ग्लीओमा

ये ट्यूमर मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी से शुरू होते हैं। एकास्टिक न्यूरोमा कैंसर रहित (बिनाइन) ट्यूमर हैं, जो शारीरिक संतुलन और सुनने की शक्ति को संचालित करने वाली तंत्रिका (नर्व)पर विकसित होते हैं।

पिट्यूटरी एडेनोमा

ये ज्योंतिर बिनाइन ट्यूमर होते हैं और इनमें से ज्यादातर मस्तिष्क के आधार पर स्थित पिट्यूटरी ग्रंथि में विकसित होते हैं। ये पिट्यूटरी ग्रंथि के हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और इसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है।

मेडुलोब्लास्टोमा

ये बच्चों में होने वाले सबसे सामान्य किस्म के कैंसरजन्य मस्तिष्क ट्यूमर हैं। वयस्कों को ये ट्यूमर होते हैं।

जर्म सेल ट्यूमर

ऐसे ट्यूमर बचपन से ही विकसित होते हैं। ऐसे कैंसर मस्तिष्क के अलावा शरीर के अन्य भागों पर शुरू होते हैं, लेकिन बाद में मस्तिष्क को अपनी चपेट में ले लेते हैं। जोखिम वाले कारण उम्र- ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ती उम्र से संबंधित है। उम्रदराज लोगों में ब्रेन ट्यूमर अधिक होते हैं। हालांकि कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकते हैं।

विकिरण से संपर्क

कुछ प्रकार के विकिरण (रेडिएशन) के संपर्क में आने वाले लोगों में ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

पारिवारिक इतिहास

कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर ऐसे लोगों में होते हैं, जिनके परिवार में ब्रेन ट्यूमर या जेनेटिक बीमारियों का इतिहास रहा हो।

डायग्नोसिस

इसके अंतर्गत एमआरआई, कंप्यूटराइड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन और पेट स्कैन शामिल हैं। शरीर के अन्य भागों में कैंसर का पता लगाने के लिए भी परीक्षण कराए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर फेफड़े के कैंसर का पता लगाने के लिये सीने का सीटी स्कैन।
वहीं बायोप्सी परीक्षण भी कराया जाता है। सुई का इस्तेमाल करके भी बायोप्सी की जा सकती है। बायोप्सी से लिए गए नमूने का परीक्षण माइक्रोस्कोप के जरिए किया जाता है ताकि यह पता चल सके कि यह कैंसरजन्य है या कैंसररहित। यह जानकारी डायग्नोसिस और रोग के इलाज के लिये महत्वपूर्ण है।

इलाज

ब्रेन ट्यूमर का उपचार ट्यूमर के प्रकार, आकार और स्थान पर निर्भर करता है। जैसे... सर्जरी अगर ब्रेन ट्यूमर ऐसे स्थान पर है, जहां तक ऑपरेशन के लिए सुलभता से पहुंचा जा सकता है, तब न्यूरो सर्जन ब्रेन ट्यूमर के यथासंभव अधिक से अधिक हिस्से को हटाने की कोशिश करते हैं। ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए की जाने वाली सर्जरी के कुछ खतरे होते हैं।

विकिरण चिकित्सा

इस चिकित्सा में ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए एक्स- रे या प्रोट्रॉन जैसी उच्च ऊर्जा किरणों का इस्तेमाल किया जाता है। विकिरण चिकित्सा आपके शरीर से बाहर रखी एक मशीन (एक्सटर्नल बीम रेडिएशन) से दी जा सकती है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन आपके मस्तिष्क के सिर्फ उन क्षेत्रों पर फोकस करता है, जहां पर ट्यूमर स्थित है या इसे आपके पूरे मस्तिष्क पर फोकस किया जा सकता है।

रेडियो सर्जरी

इसके अंतर्गत स्टीरियोटैक्टिक रेडियो सर्जरी को अंजाम दिया जाता है। ब्रेन ट्यूमर के इलाज में विकिरण देने के लिए रेडियो सर्जरी में गामा नाइफ जैसी कई आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। रेडियो सर्जरी में आम तौर पर पीड़ित व्यक्ति उसी दिन घर जा सकता है।

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी के तहत ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट यह ट्रीटमेंट कैंसर कोशिकाओं के अंदर मौजूद विशिष्ट असामान्यताओं पर केंद्रित होता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट इन असामान्यताओं को रोककर सिर्फ कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं का ही इलाज करता है। कैंसरग्रस्त भाग के निकट के अन्य स्वस्थ भागों पर इसका प्रभाव नहीं

स्वस्थ रखता है केला

केला खाने में स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। इसमें विभिन्न प्रकार के विटामिन्स, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें थाइमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और फॉलिक एसिड पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। एक शोध से पता चला है कि केला खाने से स्वास्थ्य सही रहता है। साथ यह सुंदरता भी बढ़ाता है। केला खाने से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि मासिक धर्म के समय होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। शुगर और फाइबर से भरपूर होने के साथ ही केला कई बीमारियों से बचाता है। इसके कुछ प्रमुख फायदे इस प्रकार हैं। केला ऊर्जा का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। यह एक ऐसा फल है जिसको खाने पर तुरंत एनर्जी मिलती है। यह तनाव कम करने में भी मददगार है। इसमें ट्राइप्टोफान नामक एमिनो एसिड होता है जिससे मूड सही होता है। पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे अनेक तत्वों के कारण यह डिप्रेशन जैसी कई बीमारियों को दूर रखने में कारगर है। दिल के मरीजों के लिए भी केला बहुत फायदेमंद होता है। पोटेशियम से भरपूर इस फल में नमक की मात्रा कम होती है जिसके कारण यह उच्च रक्तचाप में फायदेमंद साबित होता है। यदि आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है तो केले का सेवन करना शुरू कर दें। केला याददाश्त बढ़ाने में काफी सहायक होता है।

आज के समय प्रदुषण इतना बढ़ गया है कि लोगों को त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पढ़ता है। सब लोग चाहते हैं कि उनकी त्वचा देखने में अच्छी और अट्रैकटिव दिखाई दे। कई वजह से आपको चेहरे पर भारीपन लगता है। लोग चाहते हैं कि त्वचा पर कुछ ऐसा लगाएं जिससे उनकी स्कीन में फेशनेस लगे। सभी लड़कियां यही चाहती हैं कि उनके पास कुछ ऐसा हो जिससे उनको आराम मिले और उनका चेहरा चमक उठें। आज हम आपको यह बताएंगे कि कैसे आप अपनी स्कीन को फ्रैश कर सकते हैं। ये सभी चीजें प्राकृतिक होंगी, जो आपको आपके घर में आसानी से मिल जाएंगी। इन चीजों का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा को फ्रेश कर सकते हैं।

बनाएं अपनी त्वचा को फ्रेश

बर्फ का पानी: फ्रीजर में से चिल्ड वॉटर निकालकर उससे चेहरा धो लें। इससे आपको फ्रेशनेश आवश्य मिलेगी। यह सबसे सस्ता स्कीन टोनर है, जो आपकी त्वचा को मिनट भर में ही फ्रेश कर देता है।

दूध: फ्रिज में रखे हुए दूध को निकालकर उससे चेहरे को धो लें या कॉटन बॉल में लगाकर चेहरे को साफ कर लें। इससे चेहरे के छिद्र खुलने के साथ साथ आपके चेहरे पर प्राकृतिक चमक आ जाएगी।

गुलाब जल: गुलाब जल बहुत सस्ता होता है और घरों में आसानी से मिल जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं जो चेहरे पर पिंपल नहीं होने देते । गुलाब जल से स्कीन को कोई नुकसान नहीं होता।

ग्रीन टी: ग्रीन टी के तत्व चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ग्रीन टी को पानी के साथ मिलाकर चेहरा धोने से आपको अच्छा महसूस होगा। इससे चेहरे में चमक आ जाएगी।

एलोवेरा जूस: चेहरे के लिए एलोवेरा के पत्तों का गूदा बहुत फायदेमंद होता है। इसके पत्तों का रस भी चेहरे के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसको चेहरे पर लगाने से चेहरा साफ तो होता ही है, दमकने भी लगता है। प्रतिदिन सोने से पहले इसको चेहरे पर लगाने से आपका चेहरा शाइन करने लगेगा।

अब मिलेगा गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा

गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं। विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त। इससे उनका आत्मविश्वास घट जाता है। इस प्रकार उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इलाज

गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और कुछ विधियों के द्वारा अतिरिक्त चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट किया जाता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निपल के एरिया के निचले हिस्से में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला को भीतर डाला जाता है। कितनी चर्बी निकालनी है, इस आधार पर सर्जरी में एक से दो घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थेसिया देकर सर्जरी करने पर रोगी को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

नवीनतम इलाज

मिनिमली इनवेसिव सर्जरी एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान शेष नहीं रहता। इस सर्जरी के बाद तेजी से रोगी स्वास्थ्य लाभ करता है और कम से कम निशान दिखाई पड़ते हैं। रोगी को सर्जरी वाले स्थान पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन जैसा अनुभव होगा, किंतु यह सब कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है। रोगी को कुछ दिनों के लिए काम से छुत्री लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है। इस समस्या से परेशान पुरुषों को इस सर्जरी के बाद बहुत संतुष्टि और खुशी प्राप्त होती है और वे अपने शरीर के संदर्भ में पहले से कहीं ज्यादा सहज व स्वाभाविक महसूस करते हैं।

समोसे को बोलें बाय सलाद को कहें हाय

जब भी हम तनाव में होते हैं या कुछ खाए काफी देर हो जाती है तो तेज भूख लगती है। पहली इच्छा कुछ सेहतमंद चीज खाने की जगह एक्स्ट्रा चीज वाले पिज्जा, समोसा या फिर क्रीमयुक्त पेस्ट्री खाने की होती है। बहुत कम ही लोग होते है, जिसने तनाव की स्थिति में खाने की इच्छा होने पर उसने सलाद या फल खाना चाहा हो।

ऑफिस में लेट हो जाएं

ऐसी स्थिति में लो फेट दूध से बनी कोल्ड कॉफी और गेहूं से बना सैंडविच खाएं। इसमें सोया और चीज फिलिंग कर सकते हैं। तनाव की स्थिति में सेरोटोनिन रसायन कम हो जाता है। दूध में प्रोटीन होता है। सैंडविच से आपको प्रोटीन और कॉम्प्लैक्स काबरेहाइड्रेट दोनों मिल जाते हैं, जिससे आप एलर्ट रहते हैं। पर, ध्यान रहे, अधिक कॉफी तनाव बढ़ा भी सकती है।

नींद नहीं आती हो

दलिया और केला खाएं। तनाव नींद बढ़ाने वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन से कम हो जाता है। मेलाटोनिन जई, मक्का, ब्राउन राइस, अदरक, पका टमाटर, सोया और खजूर आदि में होता है। दलिया, दूध के साथ खाएं। इससे कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर दोनों मिलते हैं। यह मस्तिष्क पर असर करता है, आप अच्छी नींद ले पाते हैं। केले में मेलाटोनिन और मैग्नीशियम दोनों होते हैं। मैग्नीशियम प्राकृतिक तरीके से मांसपेशियों को राहत पहुंचाता है। रात को सहज नींद आ जाती है।

इंटरव्यू के दौरान

ग्रीन सलाद खाएं। शाकाहारी हैं तो इसमें सोयाबीन, अलसी के बीज और अखरोट की गिरी मिला सकते हैं। मांसाहारी ग्रिल्ड चिकन या सैलमन मछली ले सकते हैं। ग्रीन सलाद विटामिन बी-12 का अच्छा स्रोत है। इससे मूड अच्छा करने वाले सेरोटोनिन और डोपामाइन रसायन मिलते हैं, जिसकी कमी से थकावट और झुंझलाहट होती है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश कटौती पर शिक्षकों का शंखनाद, प्रदेशभर में आंदोलन का ऐलान

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

शिक्षकों के ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती के फैसले को लेकर अब प्रदेशभर में विरोध तेज हो गया है, रविवार को जयपुर में राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता और संगठन के पुरोधा व प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया गया, जिसमें प्रदेश कार्यकारिणी और संरक्षक मंडल के कई प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया, बैठक में कर्मचारियों और विशेष रूप से शिक्षकों के हितों से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा हुई और ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती को कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे शिक्षकों के अधिकारों पर आघात बताया गया, प्रदेश संघर्ष समिति के संयोजक एवं मुख्य महामंत्री उम्मेद सिंह डूडी ने बताया कि संघ द्वारा पहले ही चरणबद्ध विरोध किया जा चुका है जिसमें काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन, तहसील व जिला स्तर पर ज्ञापन और नारेबाजी शामिल रही, बावजूद इसके सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं होने पर अब आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत 8 मई को प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों के बाहर 'सद्बुद्धि यज्ञ' किया जाएगा और 18 मई को शिक्षा मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र रामगंज मंडी (कोटा) में प्रदेशभर के शिक्षक बड़ी संख्या में पहुंचकर विशाल रैली निकालेंगे, डूडी ने साफ चेतावनी दी कि यदि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो शिक्षक संघ सियाराम इस 'तुगलकी फरमान' को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा और जरूरत पड़ने पर विरोध को दिल्ली तक ले जाया जाएगा।

रैफल्स विश्वविद्यालय में 'टेक्निकल एनालिसिस यूज़िंग ट्रेडिंग व्यू' पर कार्यशाला, छात्रों को सिखाए शेयर बाजार के गुर

विशेषज्ञों ने कहा: समझकर निवेश से घटता है जोखिम, वित्तीय कौशल से खुलेंगे करियर के नए रास्ते

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय के अलाब्बार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा ASOM ThinkFest - स्टॉक मार्केट सीरीज़' के अंतर्गत गुरुवार को 'टेक्निकल एनालिसिस यूज़िंग ट्रेडिंग व्यू' विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. शैलेंद्र कुमार एवं डॉ. मुनेश कुमार ने छात्रों एवं संकाय सदस्यों को शेयर बाजार की बारीकियों और तकनीकी विश्लेषण के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. शैलेंद्र कुमार ने कहा कि देश के आर्थिक विकास में शेयर बाजार की अहम भूमिका है और आने वाले समय में युवाओं को वित्तीय कौशल से लैस करना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल युवा बेहतर करियर अवसर प्राप्त कर सकेंगे बल्कि आर्थिक रूप से भी सशक्त बनेंगे। उन्होंने छात्रों को समझाया कि किसी भी शेयर में निवेश से पहले उसका सही विश्लेषण बेहद जरूरी है। इसके लिए विभिन्न तकनीकी उपकरणों का उपयोग करना चाहिए और सही समय का इंतजार करना चाहिए। डॉ. शैलेंद्र कुमार ने TradingView जैसे आधुनिक प्लेटफॉर्म का लाइव डेमो देते हुए बताया कि तकनीकी विश्लेषण के जरिए चार्ट पैटर्न, इंडिकेटर्स और ट्रेंड को कैसे पढ़ा जाता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि शेयर बाजार में सीखकर और समझकर काम किया जाए तो जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है और लाभ की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। वहीं डॉ. मुनेश कुमार ने ट्रेडिंग व्यू प्लेटफॉर्म की बारीकियों को विस्तार से समझाया और छात्रों को नई-नई स्किल्स सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता ही सफलता की असली कुंजी है। छात्रों ने कार्यशाला में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विशेषज्ञों से अपने सवाल पूछकर शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेंद्र सांगवान, डीन एकेडेमिक्स दीपक दास, डीन संजीव कुमार सहित सभी संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव देकर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था।

एसडीपी दान से बची जच्चा-बच्चा की जान, रक्त वीर ने दिखाई मानवता की मिसाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भड़ौंदा निवासी एक गर्भवती महिला के लिए समय पर एसडीपी (प्लेटलेट्स) की व्यवस्था होना जीवनदायी साबित हुआ, महिला को डिलीवरी के लिए खेतान हॉस्पिटल झुंझुनूं में भर्ती कराया गया था जहां प्राथमिक जांच में डॉक्टरों ने प्लेटलेट्स कम होने के कारण डिलीवरी में जोखिम बताया और तुरंत ए पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता बताई, परिजन लाइव डोनर की तलाश में भटकते रहे तभी उन्होंने आवाम रक्त वॉरियर्स के सदस्य सीताराम बास बुडाना से संपर्क किया, जिसके बाद सोशल मीडिया के माध्यम से मदद की अपील की गई, अपील देखते ही ग्रुप के सदस्य जितेंद्र तंवर देपलवास ने बिना देर किए आगे आकर बीडीके ब्लड बैंक पहुंचकर एसडीपी डोनेट किया, समय पर एसडीपी मिलने से महिला की सुरक्षित डिलीवरी संभव हो सकी और जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं, इस मानवीय कार्य के लिए आवाम रक्त वॉरियर्स ग्रुप ने जितेंद्र तंवर का आभार जताया और बताया कि ग्रुप लगातार रक्तदान शिविरों और लाइव डोनर के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद करता रहता है।

ग्राम रथ अभियान: गांव-गांव पहुंच रही योजनाओं की जानकारी, ग्रामीणों में उत्साह

सोमवार को जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पहुँचेगा प्रचार रथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

ग्राम रथ के माध्यम से राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत जिले की सातों विधानसभाओं के दो दर्जन से अधिक गांवों में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। ग्राम रथ के गांवों में पहुंचते ही ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया और कार्यक्रम स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान 13 विभागों की प्रमुख योजनाओं का डिजिटल माध्यम से जीवंत प्रसारण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संदेश भी ग्रामीणों को सुनाया गया, जिसमें उन्होंने आमजन से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में स्थानीय लोक कलाकारों ने गीत, भजन एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी रोचक अंदाज में प्रस्तुत की। उनकी प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने जहां ग्रामीणों का मनोरंजन किया, वहीं योजनाओं के लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया को भी सरल भाषा में समझाया। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शिका एवं प्रचार सामग्री वितरित कर उन्हें जागरूक किया। ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम रथ के साथ विशेष सुझाव पेटिका भी रखी गई, जिसमें ग्रामीणों ने अपने सुझाव एवं फीडबैक दर्ज कराए।

सोमवार को इन गांव में पहुँचेगा प्रचार रथ

मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि सोमवार को सूरजगढ विधानसभा क्षेत्र के भिर्र, देवलावास, सांतौर, पांथरोली व भालौठ में, झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के चिचड़ौली, भड़ौंदा कला व भड़ौंदा खुर्द में, मंडावा विधानसभा क्षेत्र के हनुमानपुरा, चूड़ी चतरपुरा व अजीतगढ़ में, उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र के पोंख, किशोरपुरा, गुढ़ा बावनी व गुढ़ागौड़जी में, खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के रामकुमारपुरा, काली पहाड़ी, संजय नगर व विजय नगर में, पिलानी विधानसभा में फरट , बिजौली व दोबडा में वही नवलगढ़ विभासभा क्षेत्र के बड़वासी, कोलसिया व बाय में प्रचार रथ पहुंचेगा।

राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का 43वां अधिवेशन हुआ आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रदेश महासमिति का 43 वां वार्षिक अधिवेशन माली समाज भवन पाली में प्रदेश सभाध्यक्ष शशिभूषण शर्मा की अध्यक्षता व राहुल राजपुरोहित जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक पाली के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। महासमिति के अधिवेशन में द्वि-वार्षिक हुए चुनाव में विपिन शर्मा प्रदेशाध्यक्ष चुने गये जबकि शशिभूषण शर्मा प्रदेश सभाध्यक्ष, रामचन्द्र सिंह खींचड़ उपसभाध्यक्ष, महेन्द्र पाण्डेय मुख्य महामंत्री, दीपक ठक्कर महामंत्री, शिवशंकर ओझा प्रदेश संगठन मंत्री (मुख्यालय) , शैलजा शर्मा प्रदेश महिला मंत्री, प्रमोद कुमार शर्मा प्रदेश कोषाध्यक्ष तथा सीकर जिले से जोगेन्द्र सिंह रणवां प्रदेश उपाध्यक्ष, हरलाल सिंह महरिया प्रदेश मंत्री सहित 31 अन्य पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचित हुए। अधिवेशन में प्रदेशाध्यक्ष विपिन शर्मा ने सरकार से सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार टेट की अनिवार्यता खत्म करने, उप-प्राचार्य के पदों को रिक्त मानते हुए नव-पदोन्नत व्याख्याताओं का पदस्थापन करने की मांग की ताकि व्याख्याताओं के पद रिक्त नहीं रहे। विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश व अन्य अवकाशो के दिनों की संख्या कम नहीं करने, विशेष शिक्षा के सभी पदों पर डीपीसी करने, 750 शिक्षकों की नौकरी बचाने के लिए छाया पद स्वीकृत करने की मांग करते हुए सरकार स्तर पर संगठन की वार्ता के सकारात्मक परिणाम आने के संकेत दिए। प्रदेश मुख्य महामंत्री महेन्द्र पाण्डेय ने उच्च प्रशासनिक अधिकारियों पर शिक्षकों की उचित मांगों को सरकार के समक्ष बेहतर ढंग से नहीं रखने का आरोप लगाया तथा जन प्रतिनिधियों को शिक्षकों की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखकर निदान कराने की मांग रखी। महामंत्री दीपक ठक्कर ने शिक्षकों को आह्वान किया कि वे अपने मूल कर्तव्य के साथ सामाजिक सरोकार में भी सकारात्मक भूमिका निभायें ताकि शिक्षक का समाज में महत्व बना रहे। शिवशंकर ओझा ने कहा कि सरकार को शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं का हल अतिशीघ्र करना चाहिए। कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा ने संगठन का आय-व्यव का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सीकर जिलाध्यक्ष महावीर पूनिया ने सीकर में शिक्षकों के अनियमित स्थानान्तरणों की ओर प्रदेश नेतृत्व का ध्यान आकर्षित कराते हुए विद्यालयों में अवकाश के दिनों को कम करने के निर्णय की पुनः समीक्षा करने की मांग रखी।तथा सीकर जिला मंत्री हरी राम डोटासरा ने शिक्षा विभाग में कार्यरत संविदा शिक्षकों को शीघ्र नियमित करने की मांग की। अध्यक्षीय उद्दबोधन में शशिभूषण शर्मा ने संगठन को मजबूत कर सरकार के समक्ष जोरदार ढंग से समस्याओं रखने का आह्वान किया। अंत में संगठन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत व परिचय कराते हुए अतिरिक्त महामंत्री तारेश कुमार शर्मा ने समापन की घोषणा की।

भाजपा की डबल इंजन की सरकार में भी मजदूर, गरीब दु:खी व लाचार-सुखविंदर सिंह गिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । भाजपा की केन्द्रीय सरकार व राज्य सरकार द्वारा कमर्शियल और 5 किलो के गैस सिलेंडर में की गई भारी भरकम बढ़ोतरी के प्रति खबर लेते आम आदमी पार्टी हरियाणा संयुक्त सचिव सुखविंदर सिंह गिल ने कहा कि भाजपा की सरकार में जनता लाचार है, गरीब लाचार है, मजदूर लाचार है। उन्होंने कहा कि मई दिवस पर भाजपा ने देश के गरीब और मजदूर लोगों को महंगाई का तोहफा दिया है। जिससे गरीबी और बढ़ेगी। गरीब और अमीर के बीच की खाई और बढ़ेगी। यहां पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने 1 मई मजदूर दिवस पर मजदूरों की मजदूरी में 15' की बढ़ोतरी कर मजदूर और गरीब लोगों को राहत दी है, वही भाजपा सरकार ने मजदूर और गरीबों के मुंह पर महंगाई का थपेड़ा मारा है। इससे साबित होता है कि भाजपा सरकार मजदूर और गरीब लोगों के विरुद्ध है। क्योंकि जो गरीब लोग रेडी आदि लगाकर अपना गुजारा करते थे उनको अब 993 रुपए एक सिलेंडर के पीछे ज्यादा देने पड़ेंगे और जो गरीब बड़ा सिलेंडर नहीं ले सकता था और 5 किलो का सिलेंडर लेकर गुजारा करता था उसको 261 रुपए अब ज्यादा देने पड़ेंगे। इस से बाजार में भी अस्थिरता पैदा होगी और आम लोगों के लिए भी महंगाई बढ़ेगी। भाजपा का यह गरीब और मजदूर विरोधी चेहरा खुल कर सामने आ गया है। आने वाले समय में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी।

भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए आगे आए पर्यावरण प्रेमी, मंडावा में लगाए परिंदे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के ढंडा का बालाजी के पास वार्ड नंबर 10 में भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए परिंदे लगाए गए। इस पुनीत कार्य में क्षेत्र के पर्यावरण प्रेमियों और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी एवं पक्षीमित्र संजय शर्मा, साक्षी व्यास, कनक शर्मा, रीना शर्मा और सोनू शर्मा ने मिलकर परिंदे लगाए। साथ ही सभी ने यह संकल्प भी लिया कि गर्मी के इस मौसम में परिंदों में नियमित रूप से पानी भरकर पक्षियों की सेवा करेंगे।कार्यक्रम के दौरान संजय शर्मा ने कहा कि मानव का धर्म केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों और बेजुबान जीवों की सेवा करना भी है। उन्होंने सभी से अपील की कि ऐसे पुनीत कार्यों में अधिक से अधिक भागीदारी निभाएं।वहीं साक्षी व्यास और कनक शर्मा ने बताया कि मई-जून के भीषण गर्मी वाले महीनों में लोगों को विशेष रूप से पुण्य कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि बेजुबान पक्षियों और पशुओं की तन, मन और धन से सेवा करना न केवल मानवीय कर्तव्य है, बल्कि इससे ईश्वर भी प्रसन्न होते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने यह संदेश दिया कि हर व्यक्ति को खुद से शुरुआत करते हुए दूसरों को भी ऐसे नेक कार्यों के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक बेजुबान जीवों की मदद की जा सके।

कुम्हार कर्मचारी एवं समाज सेवा समिति के चुनाव 17 मई को, कार्यकारिणी बैठक में तैयारियों पर चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कुम्हार कर्मचारी एवं समाज सेवा समिति की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किसान कॉलोनी स्थित प्रस्तावित कुम्हार प्रजापति छात्रावास में किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरिराम दादरवाल ने की, जिसमें समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।? बैठक के दौरान समिति सचिव पंकज किरोड़ीवाल ने पिछले दो वर्षों में कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि समिति के गठन को सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और इस अवधि में समाज हित के कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि आगामी 17 मई 2026 को नई कार्यकारिणी समिति का गठन विधिवत चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इस अवसर पर समिति सदस्य मुरारीलाल बागोरिया के व्याख्याता पद पर चयनित होने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बैठक में हरीश कुमार, ओमप्रकाश, महेंद्र कुमार (सलाहकार), हीरालाल निराधनु, रामकुमार, मुरारी बागोरिया, रोहिताश गोलवा एवं अजय कुमार सहित कई सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने समिति के आगामी चुनाव को लेकर अपने विचार साझा किए और संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में समिति उपाध्यक्ष राजेन्द्र सनोदिया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों का दल जानेगा हरियाणा की जनकल्याणकारी योजनाओं की बारीकी

अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान के अधिकारियों का तीन दिवसीय जिला प्रवास 6 मई से

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिले में आगामी 6 से 8 मई तक भारत सरकार के अधिकारियों का एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद की ओर से आयोजित इस 33वें प्रोफेशनल ट्रेनिंग कोर्स के तहत भारतीय नागरिक लेखा सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा और भारतीय लागत एवं लेखा सेवा के ग्रुप 'ए' अधिकारी जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य इन प्रशिक्षु अधिकारियों को हरियाणा सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं जैसे अंत्योदय सरल, सक्षम हरियाणा और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के जमीनी क्रियान्वयन से रूबरू करवाना है। यह जानकारी देते हुए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि उपायुक्त के निर्देशानुसार कार्यक्रम के पहले दिन यानी 6 मई को अधिकारी अटेली खंड के सुराना गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण करेंगे। यहां पर शिक्षा के स्तर को लेकर शिक्षकों और अभिभावकों के साथ संवाद करेंगे। इसके उपरांत सचिवालय स्थित सरल केंद्र में जाकर ऑनलाइन नागरिक सेवाओं की प्रक्रिया को समझेंगे और एसडीएम, तहसीलदार व नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। प्रवास के दूसरे दिन अधिकारी जिला मुख्यालय और उपमंडल स्तर पर विभिन्न विभागों के कामकाज का अवलोकन करेंगे और मुख्यमंत्री विंडो जैसी जन-शिकायत निवारण प्रणाली की बारीकियों की जानकारी लेंगे। दौरे के अंतिम दिन 8 मई को ये अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय और जिला परिषद में केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के ऑडिट और प्रबंधन की प्रक्रियाओं को समझेंगे। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय शैक्षणिक दौरे के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारी यह देख पाएंगे कि किस प्रकार तकनीक और नई नीतियों के माध्यम से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचाया जा रहा है।

चिड़ावा में टेक्नोलॉजी का नया ठिकाना – एसर एक्सक्लूसिव स्टोर का भव्य शुभारंभ 6 मई को

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर में तकनीक प्रेमियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब चिड़ावा में आधुनिक कंप्यूटर और नवीनतम तकनीकी उत्पादों की सुविधा और भी सुलभ होने जा रही है। प्रतिष्ठित कंपनी ष्ड्डह्न का एक्सक्लूसिव स्टोर 'अग्रवाल कम्प्यूटर्स' के नाम से 6 मई 2026 को भव्य रूप से शुभारंभ होने जा रहा है। यह नया स्टोर खेतड़ी रोड स्थित गोल मार्केट में एचपी गैस एजेंसी के पास, दुकान संख्या 9-10 पर स्थापित किया गया है। स्टोर का उद्घाटन सुबह 9:30 बजे किया जाएगा, जिसके बाद इसे आमजन के लिए खोल दिया जाएगा। आयोजकों ने इस विशेष अवसर पर शहरवासियों को सादर आमंत्रित करते हुए अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है।इस स्टोर के खुलने से क्षेत्र के लोगों को अब एक ही स्थान पर आधुनिक लैपटॉप, डेस्कटॉप, एक्सेसरीज़ और अन्य तकनीकी उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। यह पहल चिड़ावा में डिजिटल और तकनीकी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कम्प्यूटर शिक्षकों ने दिखाई एकजुटता, अनिल चौधरी बने जिला अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिला मुख्यालय पर रविवार को कम्प्यूटर शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलेभर से आए शिक्षकों ने अपनी समस्याओं, अधिकारों एवं भविष्य की रणनीति पर गंभीर मंथन किया। बैठक में सर्वसम्मति से एक सशक्त एवं लोकतांत्रिक जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में सभी सदस्यों की सहमति से अनिल चौधरी को टीम कम्प्यूटर शिक्षक, झुंझुनूं का जिला अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

अनुराग चौधरी को बनाया।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हुआ गठन

वक्ताओं ने बताया कि कार्यकारिणी का गठन पूर्णतः लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया गया है। उल्लेखनीय है कि 19 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी गठन का निर्णय लिया गया था, जिसके सफल क्रियान्वयन के बाद 3 मई 2026 को जिला स्तर पर पदाधिकारियों की घोषणा की गई। संगठन को मजबूती देने के लिए अनुभवी एवं समर्पित सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई जिला कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप चौधरी, उपाध्यक्ष महेंद्र गिल, संगठन मंत्री सुनील चौधरी, कोषाध्यक्ष रजनीश कालेर, महिला मंत्री पिंकी चाहर व मीडिया प्रभारी

आगामी प्राथमिकताएं

नवनियुक्त मीडिया प्रभारी अनुराग चौधरी ने कहा कि जिन ब्लॉकों में अभी कार्यकारिणी का गठन शेष है, वहां शीघ्र नियुक्तियां कर संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कम्प्यूटर शिक्षकों के कैडर, वेतन विसंगति एवं अन्य सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु एक ठोस रोडमैप तैयार कर सरकार तक पहुंचाया जाएगा।उन्होंने यह भी कहा कि संगठन शिक्षकों के हितों की रक्षा के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने में सेतु का कार्य करेगा। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने 'एक स्वर-एक लक्ष्य' के संकल्प के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आए पदाधिकारी एवं कम्प्यूटर अनुदेशक उपस्थित रहे।

30 मई तक चलेगा मकान सूचीकरण कार्य: डीसी

डीसी डॉ. विवेक भारती ने की जनगणना के दौरान नागरिकों से सहयोग की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत जिला में 1 मई से मकान सूचीकरण का कार्य चल रहा है। इस दौरान घर-घर पहुंचकर परिवारों से 33 महत्वपूर्ण सवालों की जानकारी जुटाई जाएगी। यह कार्य 30 मई तक चलेगा। डीसी ने बताया कि जनगणना का उद्देश्य देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित अद्यतन आंकड़े संकलित करना है, जिससे विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। जिला के मकान सूचीकरण का कार्य ब्लॉक स्तर में विभाजित किया गया है, जहां घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसके लिए प्रगणकों की नियुक्ति की गई है, जो सीधे नागरिकों से संपर्क कर आवश्यक जानकारी जुटा रहे हैं। वहीं, इन कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। डीसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे

जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि जानकारी देते समय सजग रहें। गणनाकर्ता द्वारा आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर, बैंक खाता विवरण या किसी भी प्रकार की ओटीपी की जानकारी नहीं पूछी जाएगी।

33 सवालों के जवाब होंगे दर्ज

नोडल अधिकारी एवं सीटीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि जनगणना के दौरान गणनाकर्ता को कोई दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रगणकों द्वारा नागरिकों से मकान की स्थिति, परिवार के सदस्यों की संख्या, परिवार प्रमुख का नाम, पेयजल सुविधा, बिजली कनेक्शन, शौचालय एवं बाथरूम की उपलब्धता, गैस कनेक्शन, रेडियो/टीवी, केबल सुविधा, वाहन जैसे साइकिल, मोटरसाइकिल एवं कार, परिवार द्वारा उपयोग किए जाने वाले मुख्य अनाज तथा मोबाइल नंबर जैसी सामान्य जानकारी ली जाएगी।

थाना सदर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : डीजल ठगी के मामले में दो आरोपी काबू

पेट्रोल पंप से रू5400 का डीजल डलवाकर बिना भुगतान फरार होने वाले आरोपी दबोचे

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा (थाना सदर टोहाना पुलिस ने पेट्रोल पंप से डीजल डलवाकर बिना भुगतान किए फरार होने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच करते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। थाना सदर टोहाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर दर्ज मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू किया।शिकायतकर्ता जसबीर सिंह निवासी टोहाना रोड, कुलां, जिला फतेहाबाद ने अपनी शिकायत में बताया कि एक स्विफ्ट डिजायर कार में सवार तीन व्यक्तियों ने पेट्रोल पंप से करीब ?5400 का डीजल डलवाया और ऑनलाइन भुगतान का झांसा देकर गाड़ी को तेज गति से भगा ले गए।

आरोपियों की पहचान होशियार सिंह पुत्र सुभाष निवासी सिंथला, जिला फतेहाबाद तथा राहुल उर्फ भोला पुत्र दीवान सिंह निवासी नाधोरी, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। पुलिस ने इस संबंध में अभियोग संख्या 52 दिनांक 03.04.2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया हुआ है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा मामले की गहनता से जांच जारी है।

सीआईए टोहाना की बड़ी कार्रवाई: ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी मामले में एक और सह-आरोपी काबू

क्रिकेट बुक चलाने के मामले में तीसरे आरोपी को दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सीआईए टोहाना पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी (क्रिकेट बुक) के मामले में कार्रवाई करते हुए एक अन्य सह-आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। इससे पहले इसी मामले में दो आरोपियों को काबू किया जा चुका है। पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच करते हुए यह कार्रवाई अमल में लाई गई। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पिंक स्टोन होटल, मिलन चौक टोहाना के एक कमरे में रेड कर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का भंडाफोड़ किया था। मौके से दो आरोपियों को काबू कर उनके कब्जे से कई मोबाइल फोन, रजिस्टर व अन्य सामान बरामद किया गया था, जिनके माध्यम से क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा था। पूछताछ के दौरान मामले में

अन्य आरोपियों की संलिप्तता सामने आई, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अन्य सह-आरोपी को भी काबू कर लिया। आरोपी की पहचान सुनील उर्फ सोनू पुत्र सुभाष चंद्र निवासी सापड़ा मोहल्ला, वार्ड नंबर 10, टोहाना के रूप में हुई। पुलिस ने इस संबंध में अभियोग संख्या 109 दिनांक 18.04.2026 के तहत धारा 3, 4 हरियाणा प्रिवेंशन ऑफ पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट, 2025 के अंतर्गत मामला दर्ज किया हुआ है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता को लेकर जांच जारी है।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति अभियान तेज : विभिन्न क्षेत्रों में काउंसलिंग, उपचार व जागरूकता अभियान जारी

रतिया व टोहाना में कुल 05 नए ड्रग पीड़ित चिन्हित, 03 को दाखिल करवाया गया, 15 युवाओं को दवा उपलब्ध

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जिले में नशा मुक्ति अभियान को लगातार प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न टीमों द्वारा अस्पतालों व शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर ड्रग पीड़ितों की काउंसलिंग, उपचार एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियां संचालित की गईं। नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने उपनिरीक्षक सुंदर के कुशल नेतृत्व में नागरिक अस्पताल फतेहाबाद व सीएचसी रतिया में दाखिल ड्रग

पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी पुनः काउंसलिंग की। टीम द्वारा फतेहाबाद शहरी क्षेत्र से 02, रतिया से 02 तथा बलियाला से 01 सहित कुल 05 ड्रग पीड़ितों को चिन्हित किया गया, जिनमें से 03 को सीएचसी रतिया में दाखिल करवाया गया। शेष 02 पीड़ितों के साथ-साथ 10 उपचाराधीन मरीजों को भी काउंसलिंग के उपरांत आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाएं उपलब्ध करवाई गईं। वहीं उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान टोहाना मंडल के तहत सरकारी अस्पताल टोहाना में दाखिल मरीजों से संपर्क किया गया। टीम ने चिकित्सकों के साथ बैठक कर ओपीडी में हुई बढ़ोतरी पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त 15 युवाओं को अस्पताल से दवा दिलवाई गई तथा 01 मरीज को दाखिल करवाया गया। इआरवी 221 की सहायता से शहर की अनाज मंडी व इन्द्रा कॉलोनी क्षेत्र में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। जिले में नशा मुक्ति अभियान के तहत निरंतर काउंसलिंग, उपचार एवं जागरूकता गतिविधियां जारी हैं तथा चिन्हित पीड़ितों को नियमित रूप से उपचार व पुनर्वास से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला थाना फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई : नाबालिग से दुष्कर्म व ब्लैकमेलिंग के मामले में आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म, पीछा करने, अश्लील फोटो भेजकर ब्लैकमेल करने तथा जान से मारने की धमकी देने के गंभीर मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। यह कार्रवाई शिकायत के आधार पर त्वरित जांच के उपरांत अमल में लाई गई। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरूणा बताया कि पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी काफी समय से पीड़िता का पीछा कर रहा था तथा सोशल

मीडिया के माध्यम से संपर्क कर उसे संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा था। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर नशीला पदार्थ दिया, जिसके बाद उसके साथ गलत कार्य किया। होश में आने पर आरोपी ने उसे धमकाकर चुप रहने के लिए मजबूर किया तथा पहले भी सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो भेजकर उसे ब्लैकमेल करता रहा। आरोपी की पहचान रवि पुत्र राजेन्द्र निवासी गांव जाण्डवाला सोतर, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। पुलिस ने इस संबंध में धारा 64(2)m, 78, 79, 123, 351(2) बीएनएस, 67, 67 आईटी एक्ट तथा 6, 12 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।? आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा मामले की गहनता से जांच जारी है।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान: सेफरागुवार पीएचसी पर 18 किशोरियों को लगा एचपीवी टीका

भीम प्रज्ञा न्यूज.बबाई।

बबाई उपतहसील की सेफ़रागुवार पंचायत के राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आज एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। इस दौरान पीएचसी केंद्र सेफरागुवार पर क्षेत्र की विभिन्न स्कूलों की कुल 18 छात्राओं को एचपीवी का टीका लगाया गया। केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. दिनेश चौधरी ने बताया कि किशोरावस्था में बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर की संभावनाओं को देखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार की योजना के तहत चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा सभी शिक्षण संस्थानों में एचपीवी का टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है, ताकि किशोरियां सुरक्षित और स्वस्थ रहें। यह टीकाकरण सत्र डॉ. दिनेश चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसमें सीनियर नर्सिंग ऑफिसर

खेताराम यादव, ए.एन.एम. पंकज, लैब टेक्नीशियन सुरेश सैनी और फार्मासिस्ट राकेश ने टीकाकरण किया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल वेदप्रकाश भी उपस्थित रहे। टीकाकरण से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के लिए स्कूल की छात्राओं के अभिभावकों को इस वैक्सीन के फायदे और सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। कुछ अभिभावकों को उनके घर जाकर भी किशोरियों का टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया गया।

पंचायत-निकाय चुनाव टालने पर हाईकोर्ट में 11 मई को सुनवाई:सरकार के प्रार्थना पत्र पर होगी सुनवाई, चुनाव आयोग ने भी सरकार के तर्कों का किया समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव टालने के राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र पर 11 मई को हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। राज्य सरकार ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर करके कहा था कि वर्तमान परिस्थितियों में दिसंबर से पहले चुनाव कराना संभव नहीं है और हर महीने की स्थिति का हवाला देते हुए समय मांगा था। बता दें कि हाईकोर्ट ने सरकार को 15 अप्रैल तक चुनाव कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन सरकार की ओर से दायर प्रार्थना पत्र में 15 अप्रैल तक चुनाव कराने में असमर्थता जताई गई थी। ऐसे में अब इस मामले पर सुनवाई महत्वपूर्ण हो गई है। वहीं दूसरी ओर पूर्व विधायक संयम लोढ़ा और गिरिराज सिंह देवंदा की अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट 18 मई को सुनवाई करेगा। याचिका में राज्य चुनाव आयोग पर कोर्ट के आदेश की अवमानना करने का आरोप लगाया गया है। वहीं राज्य चुनाव आयोग ने भी हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर करके चुनाव टालने का

अनुरोध किया है।

वन स्टेट-वन इलेक्शन की धारणा को भी बल मिलेगा

सरकार की ओर से बताया गया था कि अक्टूबर-दिसंबर में कई पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है। उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद चुनाव कराना बेहतर होगा। इससे वन स्टेट-वन इलेक्शन की धारणा को भी बल मिलेगा। प्रार्थना पत्र में सरकार ने कहा था कि कोर्ट के आदेश की पालना के लिए हरसंभव प्रयास किया, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां ऐसी हैं कि 15 अप्रैल तक चुनाव कराया जाना संभव नहीं है। सरकार ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट, स्कूल, स्टाफ, ईवीएम सहित अन्य संसाधनों की उपलब्धता का हवाला देकर हाईकोर्ट से चुनाव आगे खिसकाने का अनुरोध किया है।

राज्य चुनाव आयोग ने समर्थन किया

राज्य चुनाव आयोग ने भी हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर करके चुनाव टालने का अनुरोध किया है। अपनी एप्लीकेशन में आयोग ने चुनाव की तिथियां बढ़ाने के सरकारी तर्कों का समर्थन करते हुए कहा है कि ओबीसी रिजर्वेशन के निर्धारण से पहले चुनाव कराना संभव नहीं है।

मनोज यादव पुहानिया राजस्थान शिक्षक संघ के अध्यक्ष मनोनीत: सिंघाना में वार्षिक अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

सिंघाना में राजस्थान शिक्षक संघ का वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से मनोज यादव पुहानिया को संघ का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। अधिवेशन में राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिला पर्यवेक्षक थानसिंह सोमरा और निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार ने कार्यकारिणी विस्तार की जानकारी दी। नई कार्यकारिणी में सत्यवीर धायल को संरक्षक, सुमेर सिंह को सभाध्यक्ष और चौथमल सैनी को उप सभाध्यक्ष मनोनीत किया गया। मनोज यादव पुहानिया अध्यक्ष, बंशीलाल रामावत वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हेतराम पायल उपाध्यक्ष और सुनिता यादव महिला

उपाध्यक्ष होंगी। सुबेसिंह को मंत्री, मनीराम को संयुक्त मंत्री और विजय सिंह को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। संघर्ष समिति के संयोजक सुशील कुमार सोमरा और सह-संयोजक रोहिताश कुमार बनाए गए हैं। किरण कुमार प्रचार मंत्री और विरेंद्र सिंह संगठन मंत्री होंगे। विभिन्न प्रतिनिधि पदों पर अनिल कुमार (शारीरिक शिक्षक), रणवीर सिंह (प्रबोधक), मेवाराम (प्राथमिक शिक्षा), अशोक कुमार (माध्यमिक शिक्षा) और राजबाला (महिला प्रतिनिधि) को नियुक्त किया गया है। यह कार्यकारिणी शिक्षकों की समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर उनके समाधान का प्रयास करेगी।

बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राजकीय स्कूलों का परिणाम शिक्षकों की मेहनत के कारण लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने प्रत्येक शिक्षक से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते हुए बच्चों को संस्कारवान शिक्षा के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर थान सिंह सोमरा, सुबे सिंह, सुमेर सिंह, बंसीलाल रामावत, लक्ष्मण सिंह, रोहिताश कुमावत, मनीराम सैनी सहित अनेक शिक्षक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

खेतड़ी में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे:पेड़ों की डालियां टूटीं, सिंघाना में एक घंटे बिजली गुल रही

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी क्षेत्र में शनिवार शाम मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने भीषण गर्मी व उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत दी। शाम के समय बदले मौसम से तापमान में गिरावट आई और पूरे क्षेत्र का माहौल सुहावना हो गया। शनिवार रात करीब आठ बजे आसमान में अचानक काले बादल छा गए। इसके बाद तेज हवाएं चलने लगीं और कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। बारिश का दौर कुछ समय तक जारी रहा, जिससे लंबे समय से पड़ रही गर्मी का असर कम हो गया।

पांच मिनट तक गिरे ओले, सफेद हुई सड़कें

बारिश के दौरान करीब पांच मिनट तक ओलावृष्टि हुई। ओले गिरने से सड़कों और घरों के आसपास सफेद परत बिछ गई। कई लोग घरों से बाहर

निकलकर मौसम के इस बदले रूप को देखते नजर आए।

तापमान गिरा, लोगों ने ली राहत की सांस

ओले और बारिश के बाद तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई। वातावरण में ठंडक घुल गई और लोगों ने राहत महसूस की। बारिश के बाद लोग घरों से बाहर निकलकर ठंडी हवा का आनंद लेते दिखाई दिए। मौसम बदलने से किसानों ने खुशी जताई, क्योंकि गर्मी से फसलों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि कुछ किसानों ने सब्जी की फसलों को हल्का नुकसान होने की आशंका भी जताई है।

पेड़ों की डालियां टूटीं, बड़ा हादसा टला

तेज आंधी के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ों की डालियां टूटकर गिर गईं। उपखंड कार्यालय के सामने नीम के पेड़ का हिस्सा टूटकर सड़क पर गिर गया। उस समय सड़क पर कोई मौजूद नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है।

सिंघाना में एक घंटे बिजली गुल रही

तेज हवाओं के असर से सिंघाना क्षेत्र में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। लोगों को करीब एक घंटे तक परेशानी का सामना करना पड़ा। हवाएं थमने के बाद बिजली आपूर्ति दोबारा सुचारू कर दी गई।

चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, नीतीश की तर्ज पर चलेगा बिहार

डिप्टी सीएम बोले- मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं, जेडीयू का ट्रिपल सी पर फोकस

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव से पहले 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा दिया गया था। अगले पांच साल बिहार उसी तर्ज पर चलेगा, जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं नीतीश के मन मुताबिक ही बीजेपी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है। सम्राट चौधरी का बैकग्राउंड भी बीजेपी वाला नहीं है। पटना से चंपारण तक अचानक प्रेसवार्ता कर ताबड़तोड़ सुरक्षा वाली गारंटी दी?

सियासी गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो प्रेस के जरिए गारंटी दी जाने लगी है? राजनीतिक संशयों के बीच उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने साफ किया कि सत्ता का शीर्ष चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। पटना जेडीयू प्रदेश कार्यालय में मीडिया से मुखातिब विजय चौधरी ने कहा कि भले ही कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है, लेकिन सरकार का एजेंडा वही रहेगा जो नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में स्थापित किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नाम का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय चौधरी ने जोर देकर कहा कि चुनाव से पहले दिया गया 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा सरकार के लिए प्रतिबद्धता है। अगले पांच साल बिहार का शासन उसी तर्ज पर चलेगा जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने भी विधानसभा में साफ कर दिया है कि उनकी सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म (3सी) से कोई समझौता नहीं करेगी। सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। चौधरी ने आरजेडी का नाम लिए बिना 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अल्पसंख्यकों को सिर्फ सुरक्षा का डर दिखाकर सत्ता हासिल करती थीं। सरकार का दायित्व केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की माली हालत सुधारना भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बीजेपी का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों का राजनीतिक शोषण करता रहा है। चौधरी यहीं नहीं रूके। उन्होंने नीतीश कुमार के शासनकाल में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए गए कामों को भी गिनाया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में मदरसों की ढांचागत और शैक्षणिक स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। छात्र क्रेडिट कार्ड और पोशाक योजना जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मिला। कमजोर तबके के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं ने अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग रही। दरअसल 2023 की बिहार जाति आधारित गणना के मुताबिक राज्य में मुस्लिम आबादी 17.7फीसदी है। इनमें अनुमान के मुताबिक 12-14फीसदी मुस्लिम जेडीयू को और 70-75फीसदी आरजेडी को वोट डालते हैं। जो मुस्लिम जेडीयू को वोट देते हैं, वो सिर्फ और सिर्फ नीतीश पर भरोसा करते हैं। अब कुर्सी बदल गई तो उसे मेंटेन रखना एक चुनौती है। अब सीएम की कुर्सी नीतीश से खिसककर बीजेपी के सम्राट चौधरी के पास पहुंच गई है। आरजेडी कुछ गेम न कर दे, इसे लेकर पहले की तैयारी के तौर पर जेडीयू के प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखा जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल, भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ड्रैगन की सेंध का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है। सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है। यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है। चीन चाहता है कि वह इस प्रोजेक्ट की भौगोलिक और सैन्य जानकारी समय से पहले जुटा ले, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में भारतीय नाकेबंदी को चकमा दिया जा सके।

क्रूज हादसा : चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

-मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल, अभी भी जारी सर्चिंग ऑपरेशन

धनबाद (एजेंसी)। जबलपुर,(ईएमएस)। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

हैदराबाद में खौफनाक घटना, कार के बोनट पर व्यक्ति को 2 किमी तक घसीटा

-पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में सड़क में हुए विवाद के बाद एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यू-टर्न को लेकर हुए झगड़े के बाद एक कार चालक ने एक व्यक्ति को लगभग 2 किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीट दिया। यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मीडिया को बताया, कि पीड़ित व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। बेटे ने यू-टर्न लेने के लिए इंडिकेटर दिया था, जिस पर पीछे से आ रहे कार चालक से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपने बेटे को बचाने के लिए पिता कार के बोनट पर चढ़ गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे लेकर आगे तेजी से बढ़ता चला गया। आरोपी कार चालक मीरपेट से बालापुर तक लगभग 2 किलोमीटर तक पीड़ित को बोनट पर घसीटता रहा और बाद में मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम (एजेंसी)। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की। यहां चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की। इस दौरान सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर घर के बाहर मौजूद थे, जिन्हें एक गोली पेट को छूकर निकल गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घायल सिपाही कुलबीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें इससे पहले पिछले साल जुलाई में गायत राहुल फाजिलपुरिया पर भी जानलेवा हमला हुआ था। एसपीआर रोड पर दो बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। इसके बाद गायक के फाइनेंसर की भी गोलियों मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि दीपक नांदल और राहुल फाजिलपुरिया के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। दीपक ने सभी मामलों में सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी और पैसे वापस करने के लिए धमकी दी थी।

चंडीगढ़ में चली आंधी-तूफान, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर, उड़ानें देरी से हुई रवाना

चंडीगढ (एजेंसी)। रविवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट की उड़ानों पर पड़ा, जहां कई घरेलू उड़ानों को देर से रवाना होना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण करीब एक घंटे देरी यानी 9:02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी। इस तरह सुबह 8:10 बजे बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9:18 बजे रवाना हुआ। वहीं सुबह 8:20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9:09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया। इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम बताया जा रहा है। इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7:40 बजे से पहले और दोपहर 1:30 बजे के बाद आगमन की अनुमति तय की गई थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।

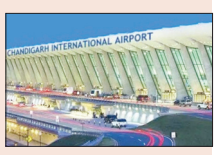

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द

-धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुरुआत में सजा की आधिकारिक सूचना मिलने तक कार्रवाई में देरी की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद यह अधिसूचना जारी की गई। कुलकर्णी, जो वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष भी थे, ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। फिलहाल वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक रसूखदार नेता को अपने ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के षड्यंत्र में पद गंवाना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: मतगणना से पहले फाल्टा में भारी बवाल

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की आहट के बीच प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले का फाल्टा विधानसभा क्षेत्र भारी तनाव और हिंसा के आरोपों का केंद्र बन गया है। फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी इस्राफील चौकीदार के खिलाफ स्थानीय जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर टीएमसी नेताओं पर डराने-धमकाने और घर जलाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा आईटी सेल की ओर से सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फाल्टा में मतदाताओं को धमकाने के आरोप में अतीबुर शेख, हबीब शेख और हबीब मोल्ला को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन मुख्य आरोपी इस्राफील चौकीदार अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या बंगाल पुलिस कार्रवाई के लिए सत्ताधारी दल के निर्देशों का इंतजार कर रही है। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई है कि यदि भाजपा चुनाव जीतती है, तो उनके घर जला दिए जाएंगे और खून-खराबा होगा।

विवाद उस समय व्यक्तिगत हमले में बदल गया जब निर्वाचन आयोग ने शिकायतों के आधार पर फाल्टा में फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें कठपुतली तक कह डाला। अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि उनके डायमंड हार्बर मॉडल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। उन्होंने विरोधियों को फाल्टा में आकर चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी।

निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई और अभिषेक बनर्जी के कड़े तेवरों ने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां विपक्षी दल इसे सत्ता की हताशा बता रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की छवि खराब करने की साजिश करार दे रही है। फिलहाल फाल्टा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे राज्य की नजरें 4 मई को आने वाले जनादेश पर टिकी हैं।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को बताया 'झूठ की सोन पपड़ी' : फाल्टा में पुनर्मतदान के फैसले पर उठाए सवाल, टीएमसी की जीत का दावा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान के फैसले को लेकर उन्होंने बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी 卐झूठ की सोन पपड़ी卐 की तरह है, जो एक झूठ के ऊपर दूसरा झूठ चढ़ाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराने का फैसला इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुनर्मतदान का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स और टीवी प्रसारण के आधार पर लिया गया, जो कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अखिलेश ने कहा कि यदि मतदान केंद्रों के अंदर तक मीडिया की पहुंच थी, तो यह नियमों के विपरीत है, खासकर तब जब सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि बूथ कैप्चरिंग जैसी आशंका जताई गई है, तो चुनावी पर्यवेक्षकों की भूमिका की जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पुनर्मतदान की नौबत आई है, तो उसके खर्च की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और जनता ने पहले ही उसे आगे कर दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 卐षड्यंत्र卐 रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हर कोशिश को नाकाम कर देंगे। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जीत का आधिकारिक प्रमाण हाथ में न आ जाए, तब तक पूरी तरह चौकन्ना रहना जरूरी है।

तिरुपति लड्डू विवाद: टीटीडी ने बिना जांच के खरीदा 70 लाख किलो घी

जांच रिपोर्ट में बड़े भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

अमरावती (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए घी की खरीद में एक बड़े घोटाले और प्रशासनिक विफलता का खुलासा हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीटीडी ने बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद की। इस लापरवाही के कारण ही आपूर्तिकर्ताओं को प्रसाद के लिए मिलावटी घी देने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक विफलता थी। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी के अधिकारियों ने शुरू में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कड़े मानकों को लागू करने की योजना बनाई थी, जिसे जुलाई 2022 से प्रभावी होना था। हालांकि, बाद में नियमों में गुपचुप तरीके से ढील दे दी गई और आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी जांचों से छूट प्रदान की गई। इसी छूट का फायदा उठाकर भारी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाला घी खरीदा गया।

आयोग ने पाया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को जानबूझकर कमजोर किया गया। कम कीमत की बोलियों को बिना जांचे स्वीकार किया गया और उन कंपनियों को भी ठेके दिए गए, जिनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता तक नहीं थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि अगस्त 2022 की एक लैब रिपोर्ट, जिसमें घी में वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट) की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी, उसे अधिकारियों ने दबा दिया। मिलावट सिद्ध होने के बावजूद संबंधित कंपनियों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने के बजाय उनसे आपूर्ति जारी रखी गई। रिपोर्ट में टीटीडी की अपनी प्रयोगशाला की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया कि लैब के आधुनिकीकरण का काम तीन साल तक टाल दिया गया और निरीक्षण समितियों में उन्हीं लोगों को रखा गया जो खरीद प्रक्रिया से जुड़े थे, जिससे स्वतंत्र निगरानी खत्म हो गई। प्रीमियर एग्री फूड्स, एआर डेयरी फूड और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी जैसी कंपनियों पर मिलावटी घी और सिंथेटिक केमिकल के इस्तेमाल के गंभीर आरोप हैं। आयोग ने इस पूरी गड़बड़ी के लिए टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। प्रशासन की इस अनदेखी ने न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँचाई, बल्कि खाद्य सुरक्षा के मानकों की भी धज्जियां उड़ा दीं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा- कश्मीरी पंडितों के बगैर अधूरा है जेएंडके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शांति, भाईचारे और सुरक्षा को लेकर दो महत्वपूर्ण स्वर उभरे हैं। एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों की घर वापसी की वकालत करते हुए घाटी के पुराने स्वरूप को बहाल करने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशे के कारोबार और आतंकवाद के गठजोड़ को खत्म करने के लिए निर्णायक युद्ध का शंखनाद किया है। एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर सभी समुदायों का साझा घर है और पंडितों के बिना यह अधूरा है। उन्होंने 1990 के दशक में हुए पलायन को क्षेत्र के लिए सबसे बड़ा मानवीय और सांस्कृतिक नुकसान बताया।

अब्दुल्ला ने भावुक होते हुए कहा, मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि जो लोग यहां से चले गए, वे अपने घरों को वापस लौटें और एक बार फिर खुशहाली से रहें। कश्मीर की असली पहचान हिंदू, मुस्लिम और सिख समुदायों का आपसी मेलजोल ही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि घाटी में जल्द ही वह दौर वापस आएगा जब सभी समुदाय पुराने गौरव और भाईचारे के साथ एक साथ रहेंगे। घाटी के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की इस अपील के बीच, प्रशासन सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर बेहद सतर्क है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को एक रणनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं का व्यापार सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को बर्बाद करना और नारको-टेरर के जरिए अशांति फैलाना है। प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपराज्यपाल ने एक विशेष 3पी रणनीति को लागू किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ड्रग सप्लाई चेन को ध्वस्त करना, शिक्षा के माध्यम से जागरूकता फैलाना और नशे के शिकार युवाओं का प्रभावी पुनर्वास करना है। प्रशासन का मानना है कि सीमाओं पर सक्रिय सप्लाई चेन को तोड़ना न केवल युवाओं को बचाएगा, बल्कि आतंकवाद की फंडिंग पर भी करारी चोट करेगा। अब यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें पुलिस और जनता के बेहतर तालमेल से सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कनाडा बनाम भारत: सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने छेड़ी वर्क-लाइफ बैलेंस की बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक भारतीय मूल के व्यक्ति का वीडियो काफी चर्चा बटोर रहा है, जिसमें उसने कनाडा और भारत के आईटी सेक्टर के कार्य परिवेश के बीच के बड़े अंतर को उजागर किया है। इस वीडियो ने प्रोफेशनल जगत में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर एक नई राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है। वीडियो में वह व्यक्ति कनाडा के एक ऑफिस का दृश्य दिखाते हुए बताता है कि वहां शाम 4:30 बजते ही कर्मचारी अपना काम समेटकर घर के लिए निकल जाते हैं। उसके अनुसार, विदेशों में समय पर ऑफिस छोड़ना एक सामान्य संस्कृति है, जहां लोग काम के बाद अपनी निजी जिंदगी और परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

कनाडा की तुलना भारत से करते हुए उस व्यक्ति ने बताया कि भारत के आईटी ऑफिसों में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। यहां कर्मचारियों को अक्सर 10 से 12 घंटे की लंबी शिफ्ट करनी पड़ती है। कई मामलों में तो कर्मचारी तब तक अपनी सीट नहीं छोड़ पाते, जब तक उनके वरिष्ठ अधिकारी या बॉस उन्हें जाने का संकेत न दे दें। वीडियो के मुताबिक, कनाडा में काम के बाद लोग अपने शौक पूरे करने, जिम जाने या घूमने के लिए स्वतंत्र होते हैं, जबकि भारत में काम के भारी दबाव और हर समय उपलब्ध रहने की अपेक्षा के कारण लोगों के पास खुद के लिए समय ही नहीं बचता।

वीडियो का मुख्य संदेश यह है कि काम केवल आजीविका का साधन होना चाहिए, न कि पूरी जिंदगी का केंद्र। उस व्यक्ति ने सुझाव दिया है कि यदि भारत में भी काम के घंटों और ओवरटाइम को लेकर कड़े नियम लागू किए जाएं, तो यहां के कार्य परिवेश में बड़ा सुधार हो सकता है। इस वीडियो पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। जहां बड़ी संख्या में लोग विदेशी वर्क-कल्चर की तारीफ कर रहे हैं, वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन ऑफिस कल्चर में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है। यह वीडियो एक गंभीर सवाल खड़ा करता है कि क्या निरंतर बढ़ता पेशेवर दबाव हमारी व्यक्तिगत खुशियों को निगल रहा है?

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।
आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिकाा में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।

मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयरः शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्करम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान
इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके

शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार हैः 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंउ एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने

पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी

मुम्बई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।

पेड पीआर बंद होना चाहिए

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंडस्ट्री में होने वाले पेड पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड पीआर कल्चर को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए। हाल ही में एक चर्चा में करण जौहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट ने जाह्नवी कपूर और शनाया कपूर जैसी अभिनेत्रियों द्वारा अपनी हालिया फिल्मों 'परम सुंदरी' और 'तू या मैं' के लिए 'मेथड मार्केटिंग' करने का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या पीआर का यह चलन बॉलीवुड में भी फैल सकता है? इस पर करण ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि बॉलीवुड को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खूबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। अगर आपको यह कहना है कि आप धरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए। यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अब हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सच में इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'

हिंदी के लिए साई पल्लवी ने मांगी माफी, बॉलीवुड डेब्यू से पहले नर्वस हैं एक्ट्रेस

साई पल्लवी आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'एक दिन' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार हैं। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर एक इवेंट हुआ, जिसमें आमिर खान समेत फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही। इस इवेंट में साई पल्लवी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने इमोशनल स्पीच दिया। इस दौरान साई ने अपनी कमजोर हिंदी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी घबराई हुई भी हैं।

कमजोर हिंदी के लिए मांगी माफी

कार्यक्रम के दौरान जब साई पल्लवी को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया, तो एक्ट्रेस ने हिंदी पर अपनी सीमित पकड़ के लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आगाह किया कि बोलते समय उनसे ग्रामेटिकल मिस्टेक हो सकती है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साई ने स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी में बोलने की तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि हमें इस कार्यक्रम में बोलना होगा। कम से कम मैं हिंदी में कुछ सीख तो लेती, लेकिन कृपया मुझे माफ कर दीजिएगा। व्यक्तिगत रूप से मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। फिल्म की कास्ट और क्रू की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आप सब अविश्वसनीय थे, हर एक व्यक्ति, आप सभी बहुत ही सुंदर कहानीकार हैं। मैं आपकी भावनाओं को महसूस कर सकती थी, मैं अपने सामने के सीन को देख सकती थी। यह सचमुच बहुत खूबसूरत था।

आमिर का जताया आभार

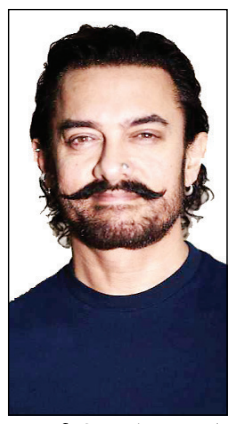

साई ने इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में थिएटर जाने वाली, ऐसी जगह जाने वाली थी जहां इतनी प्रतिभाओं का संगम हो। लेकिन मैंने जो कुछ भी किया है, वह मुझे यहां तक ले आया है और मैं इस पूरी यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। आमिर खान को धन्यवाद देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आमिर सर, मुझे इस तरह का मौका देने और इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए चुनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जब भी आप सब प्यार की बात करते थे, मैं आपके चेहरे पर चमक देख सकती थी। यह मेरी पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है। मैं सचमुच बहुत घबराई हुई हूं। लेकिन यह एक बेहद खूबसूरत सफर है। पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद।

मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म सिनेमाघरों में बनी हुई है। हाल ही में अक्षय कुमार का कहना है कि सफलता के लिए मेहनत जरूरी होती है। लेकिन मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं अभिनेता अपने फिल्मी सफर को लेकर भी बात की। क्विज रियलिटी शो 'व्हील्स ऑफ फॉर्च्यून' को होस्ट कर रहे अक्षय कुमार ने मेहनत और भाग्य को लेकर अपनी राय रखी। शो में अक्षय ने कहा कि मैं अपने अनुभवों के आधार पर ऐसा मानता हूं कि मेहनत की जरूरत तो है और मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। लेकिन मेरे करियर में या अक्षय कुमार ने फिल्म सेट पर अपने रोजमर्रा के अनुभवों के आधार पर आगे बताया कि उन्हें नियमित रूप से हजारों ऐसे युवा, महत्वाकांक्षी अभिनेता मिलते हैं जो उनसे अधिक प्रतिभाशाली या दिखने में बेहतर होते हैं। लेकिन फिर भी गुमनाम रह जाते हैं, क्योंकि इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए तमाम कोशिशों के बावजूद किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया है।

तीन दशकों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं अक्षय

अक्षय कुमार तीन दशकों से अधिक समय से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं और अब उनकी गिनती इंडस्ट्री के टॉप लीडिंग स्टार्स में होती है। उन्होंने लगभग 150 से भी अधिक फिल्में की हैं। इनमें कई ब्लॉकबस्टर और सुपरहिट फिल्में रही हैं। इनमें 'हेरा फेरी', 'केसरी', 'जॉली एलएलबी', 'हाउसफुल' और 'खिलाड़ी' सीरीज जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं।

अक्षय की पाइपलाइन में हैं ये बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म से अक्षय और प्रियदर्शन की हिट जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है

आज की तेजी से बदलती दुनिया और तकनीक के विस्तार ने युवाओं की जीवनशैली को पूरी तरह से बदल दिया है। अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए 'स्लैंग' के कारण चर्चा में रहने वाली जेनजी को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें काजोल ने अपनी और जेनजी के बीच की बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है। उनका मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले 'शोर' से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है। काजोल कहती हैं, 'मुझे लगता है कि जेनजी इस समय 'जानकारी के ओवरलोड' से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था।' अभिनेत्री ने बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलता, लेकिन वे इसमें इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे कि उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या सही है।

बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का टॉक्सिक से होगा मुकाबला

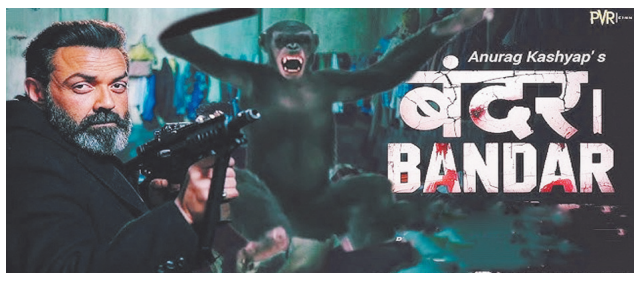

बॉबी देओल अपनी आगामी फिल्म 'बंदर'/ 'मंकी इन अ केज' को लेकर चर्चा में हैं। बीते साल सितंबर में इसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इस साल फरवरी में फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए इंतजार करना होगा।

फिल्म 'बंदर' अब मई में नहीं, बल्कि जून में रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से इसकी टक्कर होगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक फिल्म 'बंदर' 05 जून को दुनियाभर के थिएटर्स में दस्तक देने जा रही है। बता दें कि यश की मेगा बजट फिल्म 'टॉक्सिक' 04 जून, 2026 को रिलीज हो रही है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी, बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी अभिनीत फिल्म 'बंदर' को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते साल जुलाई में रिलीज किया किया गया था। तब इस फिल्म का सलेक्शन टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों तक पहुंच रही है।

दोस्ती शादी को सरल बनाती है

टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम कर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने -माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस मुलाकात में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होम मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मंजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूं। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने वैल्यूज को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत सारी चीजें साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम इंडिविजुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन्स के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंच में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिस वक्त वे घर पर होते हैं, वे देख लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेडिशनली डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूं, जिन दिनों मैं घर पर होती हूं। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। गौरव भी सामान रूप से पार्टिसिपेट करते हैं।'

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंस्टिट्यूशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे कभी हलके में नहीं लिया। चूंकि मैं शादी की अहमियत को समझती हूं, तो मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनौतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आईं कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जर्नी तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नागराज मंजुले जी की पहली सीरीज है। अपनी ओटीटी की जर्नी को लेकर मैं बहुत खुश हूं।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकौल कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूं, पर इस रोल में सिक्टीज के लुक में सजने -संवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खूब आया, मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर्स का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाना पड़ता है। उस पर मैंने हैट भी पहनी थी और हाथों में ग्लव्ज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका का मानना, समुद्री नाकेबंदी से ईरान को हुआ 456 अरब रुपए का नुकसान : रिपोर्ट

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी की समुद्री नाकाबंदी के कारण ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर (456 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। एक्सियोस के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नाकेबंदी के दौरान दो टैंकर जब्त किए गए। इसके अलावा, अधिकारियों ने दावा किया कि लगभग 53 मिलियन बैरल तेल ले जा रहे 31 टैंकर इस समय 'खाड़ी में फंसे हुए हैं,' जिससे ईरान के तेल निर्यात में आई भारी गिरावट का अंदाजा लगाया जा सकता है। कथित तौर पर इसी वजह से उसे 4.8 अरब डॉलर (करीब 45,600 करोड़ रुपए) का नुकसान झेलना पड़ रहा है। ईरान के समुद्र में अमेरिकी नाकाबंदी पूरी ताकत से लागू है, जिससे ईरान की फंडिंग क्षमता को बड़ा झटका लगा है। इन्हीं अधिकारियों के अनुसार, कुछ जहाज अब 'अमेरिकी नाकेबंदी के डर से चीन को तेल पहुंचाने के लिए एक महंगा और लंबा रास्ता चुन रहे हैं,' जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना की सख्त कार्रवाई के डर से जहाजों के आने-जाने के तरीकों में बदलाव आया है। यह नाकेबंदी अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर एक अस्थायी संघर्षविराम के दौरान लगाई थी। इसका मकसद ईरान पर दबाव डालना था ताकि वह पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए उस युद्धविराम को मान ले, जिससे इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष हमेशा के लिए खत्म हो जाए। ईरान ने पिछले महीने कहा था कि इजरायल और लेबनान में सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन के संघर्ष विराम की घोषणा के बाद होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह से फिर से खोल दिया है। हालांकि, बाद में इस जलमार्ग पर फिर से पाबंदी लगा दी गई, जब अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया। अमेरिका का कहना था कि जब तक ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई पक्का समझौता नहीं हो जाता, तब तक ये पाबंदियां जारी रहेंगी। अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

क्यूबा ने नए अमेरिकी प्रतिबंधों को 'एकतरफा दबाव' की कार्रवाई बताया

हवाना , एजेंसी। क्यूबा ने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा दबाव डालने की कार्रवाई' बताया और कहा है कि ये कदम क्यूबा की जनता को सामूहिक रूप से सजा देने की कोशिश हैं। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हम अमेरिकी सरकार द्वारा अपनाए गए इन एकतरफा दबावकारी तरीकों को पूरी तरह खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि ये कदम क्यूबा के लोगों के खिलाफ सामूहिक दंड की मंशा को दर्शाते हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने रोड्रिग्ज के हवाले से बताया कि इन प्रतिबंधों की घोषणा इंटरनेशनल वर्कर्स डे के दिन की गई, जब क्यूबा के लाखों नागरिक सड़कों पर उतरकर अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध कर रहे थे। रोड्रिग्ज ने कहा कि ये कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन करते हैं। उनके अनुसार, अमेरिका को क्यूबा या किसी तीसरे देश पर ऐसे प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश के तहत अमेरिका में मौजूद या अमेरिकी नियंत्रण में आने वाली उन व्यक्तियों और संस्थाओं की संपत्तियां फ्रीज कर दी जाएंगी। ये सब क्यूबा की अर्थव्यवस्था के ऊर्जा, रक्षा, धातु व खनन, वित्तीय सेवाओं या सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। इसके अलावा, आदेश का उद्देश्य क्यूबा की वैश्विक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच को सीमित करना भी है। इसमें उन विदेशी बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जो क्यूबा से जुड़े पहले से प्रतिबंधित व्यक्तियों या संस्थाओं के साथ लेनदेन करते हैं।

सीरिया में शिया धर्मगुरु की हत्या

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास शुक्रवार को हमलावरों ने एक शिया धर्मगुरु की हत्या कर दी। हमलावरों ने उनकी कार में ग्रेनेड फेंका, जिससे उनकी मौत हो गई। मारे गए धर्मगुरु का नाम फरहान अल-मंसूर था। वह दमिश्क के बाहरी इलाके सैयदा जैनब में स्थित एक प्रसिद्ध शिया दरगाह के मुख्य उपदेशक थे। सरकारी समाचार एजेंसी 'साना' और सरकारी टीवी के अनुसार, इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। घटना के बाद दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। सैयदा जैनब इलाका साल 2011 में शुरू हुए सीरियाई संघर्ष के दौरान भीषण झड़पों का केंद्र रहा है। यहां पैगंबर मोहम्मद की पोती की दरगाह है, जिन्हें शिया मुसलमान धैर्य और साहस का प्रतीक मानते हैं। दिसंबर 2024 में बशर असद की सरकार गिरने के बाद से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

ईरान में ऑर्डनेंस क्लियरेंस के दौरान बड़ा हादसा... आईआरजीसी के 14 जवानों की मौत, 2 घायल

तेहरान, एजेंसी। ताजा ख़बरों के अनुसार ईरान में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। ईरान के जंजान प्रांत में ऑर्डनेंस क्लियरेंस मिशन के दौरान एक भयानक विस्फोट होने से ढ्रकऋष्ट के 14 जवानों की मौत हो गई और 2 अन्य सैनिक घायल हो गये हैं। यह हादसा उस दौरान हुआ जब जवान न फटे हुए पुराने बम और गोला बारूद को जमीन से सुरक्षित निकलने का काम कर रहे थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ईरान और अमेरिका युद्ध शांत करने के लिए शांति वार्ता पर बातचीत कर रहे हैं। समाचार एजेंसियों के अनुसार करीब 12000 हेक्टेयर खेती की जमीद पर बिखरे हुए न फटे बमों का भारी खतरा मंडरा रहा है। इस हादसे के बाद आईआरजीसी ने अमेरिका पर बाधा डालने की नीति का बहुत गंभीर आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान से नए बातचीत प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया और बातचीत को उलझा दिया है।

ईरान के जंजान प्रांत में एक भयावह हादसा हुआ है जिसमें ढ्रकऋष्ट के 14 जवान मारे गये हैं और 3 घायल हैं। खेती वाली जमीन पर पड़े और दबे हुए युद्ध के हथियारों की सफाई के दौरान एक बम फट गया जिसके कारण यह हादसा हुआ है। यह टीम खेती लायक जमीन को सुरक्षित और साफ कर रही थी तभी हुए विस्फोट ने हलचल मचा दी।

अमेरिका पर बड़े आयोप : हादसे के बाद आईआरजीसीने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका की नीतियों पर सीधा और बड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सरकार अब दुनिया की ऊर्जा पर काबू रखने की जगह बाधा डालने का काम कर रही है। अमेरिका की होर्मुज की नाकेबंदी चीन, रूस और यूरोप को रोकने की बड़ी योजना के तहत थी लेकिन यह योजना नाकाम हो गई है।

ईरान नेतृत्व में बिखराव का माहौल : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इरान के अंदरूनी हालात पर बात करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बहुत ज्यादा बिखराव मौजूद है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में कई गुट हैं नेताओं के जो देश को अलग तरीके से चलाना चाहते हैं। ये अलग-अलग दिशाओं में देश को खींच रहे हैं। इस बिखराव के कारण समझौता सम्भव नही हो पा रहा है।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले अराघची, होर्मुज स्ट्रेट और परमाणु मुद्दे पर हुई गहन चर्चा : रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) में नौवहन स्वतंत्रता और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शत्रुता की पूर्ण समाप्ति, सैन्य और राजनीतिक स्थिति को स्थिर करने तथा क्षेत्र में शांति बहाली की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। रूस ने जारी मध्यस्थता प्रयासों के प्रति अपना समर्थन दोहराया और क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रक्रिया में सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। वार्ता के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से रूसी जहाजों और कार्गो के सुरक्षित आवागमन का मुद्दा भी उठाया गया, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे पहले 27 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में ईरानी विदेश मंत्री अराघची से मुलाकात की थी। इस बैठक में रूस-ईरान द्विपक्षीय सहयोग और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। रूसी पक्ष से इस बैठक में विदेश मंत्री लावरोव, राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव और रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुख्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव मौजूद थे। वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल में उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी और रूस में ईरान के राजदूत काजेम जलाली शामिल थे। बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि मास्को ईरान के साथ रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और पश्चिम एशिया में जल्द शांति स्थापित करने के प्रयासों में सहयोग करेगा। रूसी मीडिया के अनुसार, पुतिन ने यह भी उम्मीद जताई कि ईरान मौजूदा चुनौतियों से उबरकर स्थिरता और शांति की दिशा में आगे बढ़ेगा। पुतिन ने कहा, हम हर वह प्रयास करेंगे जो आपके और क्षेत्र के सभी लोगों के हित में हो, ताकि जल्द से जल्द शांति स्थापित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का संदेश प्राप्त हुआ है, जिसका उल्लेख उन्होंने बातचीत की शुरुआत में किया।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्टार प्रणाली का कमाल: बांझ पुरुषों के लिए नई उम्मीद, एआई तकनीक ने खोजे छिपे शुक्राणु

बोगोटा, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक नई तकनीक ने उन पुरुषों के लिए उम्मीद की किरण जगा दी है जिन्हें बांझ घोषित कर दिया गया था। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्पर्म ट्रैक एंड रिकवरी (स्टार)प्रणाली ऐसे मामलों में भी शुक्राणु खोज पा रही है, जहां पारंपरिक जांच में एक भी शुक्राणु नहीं मिलता। इस तकनीक की मदद से कई दंपतियों को वर्षों बाद माता-पिता बनने का सुख मिला है। बीबीसी के अनुसार अमेरिका के न्यू जर्सी की एक महिला, जिन्हें रिपोर्ट में पेनेलोप नाम से संबोधित किया गया है, नवंबर 2025 में तब भावुक हो गई जब डॉक्टर ने उन्हें गर्भवती होने की खबर दी। करीब ढाई साल की असफल कोशिशों के बाद यह संभव हो सका। रिपोर्ट के अनुसार उनके पति को क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम नाम की आनुवंशिक बीमारी थी, जिसमें पुरुषों में अतिरिक्त एक्स क्रोमोसोम होता है और आमतौर पर शुक्राणु बनना बेहद कम या शून्य होता है। डॉक्टरों ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनके पति के जैविक पिता बनने की संभावना लगभग नहीं के बराबर है। लेकिन स्टार तकनीक ने उनके नमूने में छिपे कुछ शुक्राणु खोज निकाले, जिनकी मदद से इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) यानी शरीर के बाहर निषेचन की प्रक्रिया सफल हुई। स्टार प्रणाली एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके बेहद दुर्लभ शुक्राणुओं को पहचानती है।

माइक्रोफ्लूडिक चिप का होता है उपयोग : सामान्यत: एक मिलीलीटर वीर्य में लाखों शुक्राणु होते हैं, लेकिन एजूस्पर्मिया नामक स्थिति में एक भी शुक्राणु मिलना मुश्किल होता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें पुरुष के वीर्य में शुक्राणु नहीं के बराबर होते हैं। इस तकनीक में माइक्रोफ्लूडिक चिप का उपयोग होता है। यह एक बेहद पतली नलिकाओं वाला उपकरण होता है, जिसमें से नमूना गुजरता है। इसके साथ हाई-स्पीड इमेजिंग सिस्टम प्रति सेकंड सैकड़ों तस्वीरें लेता है और एआई एल्गोरिदम उनमें से शुक्राणु की पहचान करता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर के निदेशक जेव विलियम्स के अनुसार, यह ऐसे है जैसे मलबे के समुद्र में एक बेहद दुर्लभ कण को ढूंढना। एआई यह काम कुछ मिलीसेकंड में कर देता है, जबकि इंसान के लिए यह लगभग असंभव होता है। रिपोर्ट के अनुसार इस तकनीक के उपयोग से पिछले साल पहला बच्चा जन्मा, जो लगभग दो दशक से बांझपन से जूझ रहे एक दंपति के लिए बड़ी सफलता थी। अब तक 175 मरीजों पर किए गए।

जेल में बिगड़ी नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत, अस्पताल में भर्ती; इलाज में लापरवाही के आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत अचानक बहुत बिगड़ गई है। इसके बाद उन्हें तुरंत उत्तर-पश्चिमी ईरान के ज़ंजन शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने दी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई। इसके चलते उन्हें आनन-फानन में उत्तर-पश्चिमी ईरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने शुक्रवार को दी। नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, नोबेल पुरस्कार विजेता को दो बार बेहोशी और दिल से जुड़ी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। फाउंडेशन ने बताया कि मोहम्मदी शुक्रवार को जंजन शहर की जेल में दो बार बेहोश हो गई थीं। उनके वकीलों ने मार्च के अंत में उनसे मुलाकात के बाद बताया था कि उन्हें संभवतः दिल का दौरा पड़ा था। उस समय वह कमजोर दिख रही थीं और चलने के लिए नर्स की मदद की ले रही थी।

इलाज में लापरवाही का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि मोहम्मदी की 12 दिसंबर को गिरफ्तारी के बाद से 140 दिनों तक उन्हें सही इलाज नहीं दिया गया। फाउंडेशन के अनुसार, जेल के डॉक्टरों ने पहले ही सलाह दी थी कि नरगिस का इलाज जेल में नहीं किया जा सकता है। डॉक्टरों ने उनका इलाज तेहरान में विशेषज्ञ टीम से करवाने को कहा था।

परिवार कई बार कर चुका था अच्छे इलाज की मांग : मोहम्मदी के परिवार ने हफ्तों से उन्हें अच्छा इलाज देने के लिए अस्पताल भेजने की वकालत की थी। फाउंडेशन ने परिवार के हवाले से कहा कि शुक्रवार को जंजन के एक अस्पताल में उनको भर्ती कराया जाना बहुत देरी से लिया गया फैसला और आखिरी समय में उठाया गया कदम लग रहा है।

पहले भी बिगड़ चुकी थी तबीयत : 24 मार्च को मोहम्मदी के साथी कैदियों ने उन्हें बेहोश पाया था। उन्होंने अपने वकीलों से कुछ दिनों बाद हुई मुलाकात में ये बताया था। जेल के क्लिनिक में बाद की जांच में एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उन्हें शायद दिल का दौरा पड़ा था। तब से उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी।

'बाहर निकलो, कितनी झूठी हो': ट्रंप ने इल्हान पर की विवादित टिप्पणी, सांसद ने भी राष्ट्रपति को बता दिया अपराधी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर के बीच एक बार फिर तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई। फ्लोरिडा के 'द विलेज' इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने उमर पर बेहद कड़े शब्दों में हमला किया।

उन्होंने इल्हान उमर को 'ढोंगी' कहा और उनके मूल देश सोमालिया को लेकर कई गंभीर बातें कहीं। इसके बाद इल्हान उमर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप को करारा जवाब दिया है। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद अब काफी चर्चा में आ गया है।

इल्हान उमर ने ट्रंप के आरोपों का क्या जवाब दिया : इल्हान उमर ने ट्रंप के इन विवादित बयानों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ा जवाब दिया। उमर ने ट्रंप के बयानों को बेतुका बताया और कहा कि अगर

यह किसी अपराधी की तरफ से नहीं आया होता, तो उन्हें सच में बहुत गुस्सा आता। सांसद उमर ने देश की जनता को याद दिलाया कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 34 गंभीर मामलों में दोषी साबित हो चुके हैं। उमर ने ट्रंप पर लगे दुष्कर्म के आरोपों और अन्य गंभीर कानूनी मामलों का भी अपने पोस्ट में जिक्र किया। उमर ने हैरान होते हुए लिखा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि कोई इंसान अपनी इतनी बेइज्जती खुशी-खुशी कैसे करा सकता है। उमर ने ट्रंप की पार्टी पर तंज कसते हुए उन्हें अपनी कमियां छिपाने के लिए नया बहाना ढूंढने की सलाह दी है। क्या दोनों नेताओं के बीच पहले भी ऐसा विवाद हो चुका है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब इन दोनों बड़े नेताओं के बीच इस तरह की जुबानी जंग और बहस देखने को मिली है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी इल्हान उमर ने मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर बहुत ही तीखा और सीधा हमला किया था। उस वक्त उमर ने ट्रंप को 'झूठा और मूर्ख इंसान' बताया था, क्योंकि ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने उमर को वापस भेजने के लिए सोमालिया के राष्ट्रपति से फोन पर बात की है। इल्हान उमर ने तब देश के लोगों से कहा था कि किसी को भी ट्रंप जैसी शर्मनाक बातें करने वाले इंसान को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। आपको बता दें कि उमर हमेशा से ट्रंप की इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों की बहुत बड़ी आलोचक रही हैं और अक्सर उनका विरोध करती हैं। सोमालिया को लेकर ट्रंप ने अपनी पोस्ट में क्या दावे किए? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' नाम के अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इल्हान उमर और उनके मूल देश सोमालिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लिखा कि सोमालिया में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और वहां दशकों से गृह युद्ध चल रहा है।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि सोमालिया आतंकवाद, समुद्री डकैती, गरीबी, भुखमरी और बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। ट्रंप के मुताबिक, सोमालिया की 70 प्रतिशत आबादी आज भी बेहद गरीबी में जी रही है और वहां की सरकार पूरी तरह से बेकार है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी खराब जगह से आने वाली महिला अब अमेरिका को बता रही है कि हमें क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए। अंत में ट्रंप ने उमर के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन पर नागरिकता पाने के लिए भाई से शादी करने का आरोप फिर से दोहराया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ताश के पत्ते लिए तस्वीर की पोस्ट, लिखा- खेल मेरे हाथ में

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की जो उनके बेबाक अंदाज को जाहिर करती है। उनके हाथ में ताश के पत्ते हैं जिसका मैसेज उनके इरादों का संकेत देता है। ट्रंप ने शनिवार को एक के बाद एक कई पोस्ट्स की। इनमें कुछ तस्वीरें हैं, जिनमें अमेरिका के पुराने और अब नए दिनों की झलक है। ट्रंप बताना चाहते हैं कि अमेरिका का वर्तमान गुजरे वक्त से ज्यादा बेहतरीन है। उन्होंने दो तस्वीरों के कोलाज के साथ लिखा, 'ट्रंप के आने से पहले और बाद का अमेरिका।' इसमें लिंकन मेमोरियल के पूल की तस्वीर है। जिसमें ओबामा दौर में गंदगी तो ट्रंप दौर में सफाई का दावा किया गया है। इसके अलावा, माउंट रशमोर की तस्वीर पोस्ट की है। पहले भी वो ऐसा कर चुके हैं। माउंट रशमोर के प्रति डोनाल्ड ट्रंप का

लगाव जगजाहिर है। कई मौकों पर वो साउथ डकोटा के ब्लैक हिल्स में स्थित इस ऐतिहासिक मूर्ति का हिस्सा बनने की अपनी मंशा और इच्छा जाहिर कर चुके हैं; इस मूर्ति में उनके चार पूर्ववर्तियों-जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन-के चेहरे उकेरे गए हैं।

इन सबमें से सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर वो है जिसमें ट्रंप हाथ में ताश के पत्ते लिए खड़े हैं। 6 पत्ते हैं, जिनमें से हरेक पर 'वाइल्ड' लिखा हुआ है। इसके साथ ही कैप्शन के जरिए ये बताने की कोशिश की जा रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'आई हैव ऑल द कार्ड्स,' यानी कि वे मजबूत हालत में हैं और खेल उनके हाथ में है।

पूरी दुनिया ईरान संघर्ष के स्थाई समाधान को लेकर चिंतित है। ट्रंप की ओर सबकी निगाहें हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति भी लगातार कह रहे हैं कि शांति के इच्छुक हैं लेकिन सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी अभी खुला है। वहीं नाटो से नाराजगी का इजहार भी वो करते रहे हैं। आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान संघर्ष में इन देशों ने उनकी मदद नहीं की।

इस बीच जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की अमेरिका के हमले को लेकर की गई टिप्पणी भी ट्रंप को खल गई है। इसके बाद ही अमेरिकी मीडिया के हवाले से कहा जा रहा है कि जर्मनी से अमेरिका की सैन्य टुकड़ियों को हटाया जाने की योजना बनाई जा रही है।

ईरान युद्ध विवाद पर ट्रंप का नाटो को बड़ा झटका ! जर्मनी से बुलाएंगे 5000 सैनिक वापस

लंदन, एजेंसी। ताजा जानकारी के अनुसार अमेरिका ने यूरोप में नाटो को एक बहुत बड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को अधिकारिक तौर पर यह घोषणा की है कि वह अपने सहयोगी देश जर्मनी से 5000 सैनिक वापस बुला रहा है। यह चौकाने वाला कदम उस समय उठाया गया है जब राष्ट्रपति ट्रम्प और जर्मन चांसलर की टिप्पड़ी से यूरोप से विरोध गहरा गया। पेंटागन ने यह कदम ट्रंप और जर्मन चांसलर के बीच हुई बहस के बाद उठाया है। इस पूरे विवाह की प्रमुख वजह राष्ट्रपति ट्रंप की इरान युद्ध को लेकर जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से हुई एक तीखी बहस है। इस बहस के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए सैनिकों की संख्या में कटौती करने की धमकी दी थी। अमेरिका का यह फैसला यूरोप और नाटो देशों के लिए बहुत ही सख्त कूटनीतिक और कड़ा संदेश है। पेंटागन के इस कदम से यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप और फ्रेडरिक मर्ज की बहस का कारण : जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोमवार को ईरान युद्ध पर विवादित टिप्पड़ी की थी। उन्होंने कहा था कि दो महीनों से चल रहे युद्ध को ख़त्म करने की बातचीत में ईरान अमेरिका को अपमानित कर रहा है। इसके जवाब में ट्रंप ने तीखे लहजे में कहा कि मर्ज को रूस और युक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें अपने देश को ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। ईरान युद्ध पर उन्हें अपना टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए।

पेंटागन का आधिकारिक बयान : पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जर्मनी की हालिया बयानबाजी बहुत ही अनुचित थी। उन्होंने यह भी कहा कि नाटो देशों से सेना हटाकर राष्ट्रपति इन टिप्पड़ियों का बिलकुल सही जवाब दे रहे हैं। सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया 6 से 12 महीनों में पूरी हो जाएगी। पेंटागन की इस कटौती से यूरोप में अमेरिकी सैनिकों का स्तर 2022 से पहले के स्तर पर आ जाएगा। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद उस समय के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूरोप में सैनिकों की संख्या बढाई थी। लेकिन अब अमेरिका उन फैसलों को पलट रहा है।

बता दें कि यूरोप में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है और जर्मनी नाटो का एक अहम सदस्य है। यहां अभी लगभग 35000 सैनिक तैनात हैं। यहां एक अहम ट्रेनिंग हब भी है। पिछले कुछ महीनों से जर्मनी और नाटो ट्रम्प के निशाने पर जोरो से हैं। ट्रंप ने ईरान युद्ध में हार्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए अपनी नौसेना न भेजने पर यूरोपीय सहयोगियों और नाटो की कड़ी आलोचना की थी।

पाकिस्तान के बन्नू में पुलिस वैन पर रॉकेट हमला, 1 कांस्टेबल की मौत, 2 घायल; सीमावर्ती इलाकों में बढ़ा खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांतों में सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में एक बड़ी आतंकी घटना हुई है जहां सशस्त्र हमलावरों ने पुलिस के एक वाहन को रॉकेट से निशाना बनाया। इस भीषण हमले में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई है जबकि दो अन्य जवान गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रॉकेट हमले के बाद मची अफरा-तफरी : यह घटना बन्नू के कंगर जान बहादुर इलाके में उस समय हुई जब पुलिसकर्मी फतेह खेल चेकपॉइंट से अपनी ड्यूटी पूरी कर वापस लौट रहे थे। बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) यासिर अफरीदी के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी पर सीधे रॉकेट दागे जिसके बाद चारों ओर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें गूंजने लगीं। इस हमले में कांस्टेबल (ड्राइवर) रजा अली शाह की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में घायल हुए दो अन्य पुलिसकर्मियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका इलाज जारी है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मिरयान रोड पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया है।

सघन तलाशी अभियान : हमले की सूचना मिलते ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। हमलावर रॉकेट दागने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे। जिनकी तलाश में सुरक्षा बलों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। डीपीओ यासिर

अफरीदी ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

सीमावर्ती प्रांतों में बढ़ती हिंसा की लहर : यह हमला पाकिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों, विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की एक कड़ी है। इसी सप्ताह की शुरुआत में बलूचिस्तान के पिशिन जिले के हुरमजई इलाके में भी एक चेकपोस्ट को निशाना बनाया गया जिसमें एक पुलिस हेड कांस्टेबल की मौत हो गई थी।

हालिया हमलों का खौफनाक रिकॉर्ड : पाकिस्तान में सुरक्षाकर्मियों पर हमलों के आंकड़े की अगर हम बात करें तो ये बहुत ही डराने वाले हैं। अभी हाल ही में 19 अप्रैल को खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम गढ़ी में बाजार में खरीदारी कर रहे दो फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी जवानों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके पहले 18 मार्च को ऊपरी दीर के मनो बंडा इलाके में एलीट फोर्स के एक ASI को उनके घर के बाहर अज्ञात हमलावरों ने मौत के घाट उतार दिया था। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया और आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की इन घटनाओं में हाल के दिनों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com